मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 11 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 12 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 297, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ अमेरिका कैसे तैयार करता है खेल चैंपियन

कंगना की क्वीन 2 पर लगा करोड़ों का जुमार्ना ◂◂ 6

रांची के डॉक्टर की दुमका में संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

मेट्रो रेज

रांची /दुमका : रांची निवासी डॉक्टर शशि दिनकर मिंज की दुमका जिले के मसानजोर स्थित सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव शनिवार सुबह कमरे से बरामद हुआ। सूचना मिलने पर मसानजोर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, डा शशि दिनकर मिंज अपने तीन दोस्तों सुनील कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह और नीरज कुमार के साथ शुक्रवार रात निरीक्षण भवन के कमरा नंबर-1 और 2 में ठहरे थे। बताया जा रहा है कि रात में सभी ने साथ बैठकर शराब पार्टी की थी। इसके बाद सभी अपने-अपने कमरों में चले गए।

सुबह कमरे में मिला शवः शनिवार सुबह जब उनके दोस्त उन्हें जगाने पहुंचे तो डॉ मिंज के शरीर में कोई हलचल नहीं थी। इसके बाद तुरंत मसानजोर थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस की मौजूदगी में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हजारीबाग सदर अस्पताल में थे पदस्थापितः डॉ शशि दिनकर मिंज रांची के बरियातू के रहने वाले थे और वर्तमान में हजारीबाग सदर अस्पताल में पदस्थापित थे। उनकी पत्नी भी चिकित्सक हैं और जमशेदपुर में कार्यरत हैं। परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

लापता युवक का शव बिहार से बरामद, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, सड़क जाम

गिरिडीह: जिले के जमुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत भीखोडीह निवासी नीरज हाजरा, जो बीते 4 जुलाई से लापता थे, का शव बिहार के जमुई जिले स्थित बिचकोड़वा जंगल से बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर के बाद से इलाके में आक्रोश का माहौल है। घटना के विरोध में शनिवार सुबह से ही परिजनों और ग्रामीणों ने जमुआ-पचंबा मुख्य मार्ग को चितरडीह पहाड़ी के समीप जाम कर दिया है। सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नीरज हाजरा की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है, जिसकी निष्पक्ष एवं गहन जांच होनी चाहिए। स्थिति को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। जमुआ पुलिस इंस्पेक्टर प्रदीप दास स्वयं मौके पर मौजूद रहकर लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं जमुआ के पूर्व विधायक केदार हाजरा और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के नेता कामेश्वर पासवान भी घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। फिलहाल प्रशासन द्वारा आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों से वार्ता की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट में हंगामा करने वाले याचिकाकर्ता पर नहीं होगी कार्रवाई, सीजेआई ने दिया निर्देश

एजेंसी

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने अदालत में हंगामा करने वाले एक याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया है। संबंधित व्यक्ति ने सुनवाई के दौरान अदालत में कागज फेंके और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने या अन्य कानूनी कार्रवाई से परहेज किया है। यह घटना शुक्रवार को जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ के समक्ष हुई। उस समय सीजेआई सूर्यकांत कोर्टरूम में मौजूद नहीं थे। याचिकाकर्ता बिना किसी वकील के स्वयं अपना पक्ष रख रहा था। सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ता ने कहा, योर ऑनर, मैं आपको लखनऊ के एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देता हूं। इस पर जस्टिस केवी विश्वनाथन ने आश्चर्य जताते हुए पूछा, क्या आप मुझे आदेश दे रहे हैं?

इसके बाद याचिकाकर्ता ने कहा, मेरी तरफ से बस इतना ही,

सब कुछ रिकॉर्ड में है। इतना कहकर उसने अपनी केस फाइल के कागज हवा में उछाल दिए और अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा। उसके इस व्यवहार से कुछ देर के लिए कोर्टरूम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए उसे हिरासत में लिया और कोर्टरूम से बाहर ले गए।

घटना की जानकारी सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने मुख्य न्यायाधीश को दी। सामान्य प्रक्रिया के तहत याचिकाकर्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा सकती थी, लेकिन सीजेआई सूर्यकांत ने इस मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि कई बार ऐसे कृत्य केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के उद्देश्य से किए जाते हैं। ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई करने से संबंधित व्यक्ति को अनावश्यक प्रचार मिल सकता है। इसी कारण अदालत ने इस मामले को आगे न बढ़ाने का

ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन के डैम से तबाही की वार्निंग

भारत के बाद अब चीनी साइंटिस्ट ने दी डरावनी रिपोर्ट, भूकंप का खतरा बढ़ने का अंदेशा

एजेंसी

नई दिल्लीः चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम का निर्माण कर रहा है, जिसका विरोध भारत कई दिनों से करता आ रहा है। अब इस प्रोजेक्ट के खिलाफ चीन के भीतर से भी आवाजें उठाने लगी है। यह प्रोजेक्ट भारत के अरुणाचल प्रदेश बार्डर से केवल 50 किलोमीटर दूर है। तिब्बत की त्सांगपो नदी भारत में ब्रह्मपुत्र नदी के नाम से जानी जाती है। शी जिनपिंग के साइंटिस्ट ने चेतावनी दी है कि इस डैम के बनने से भूकंप, लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ जाएगा। चीन की सरकारी स्वामित्व वाली चाइना जियोलॉजिकल सर्वे का रिसर्च वहां की पत्रिका सेडिमेंट्री जियोलॉजी एंड टेथियन जियोलॉजी में प्रकाशित किया गया था। इसमें बताया गया कि पाइझेन फॉल्ट की

एक भूकंपीय दरार ठीक उसी जगह से गुजरती है, जहां इस हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण किया जा रहा है। शोधकर्ताओं ने कहा कि पाइझेन फॉल्ट बांधों, सडकों, पुलों और सुरंगों सहित आसपास के स्ट्रक्चर की स्थिरता पर बड़ा प्रभाव डालेगा। यहां जमीन के नीचे दरार की वजह से आस-पास की चट्टानें टूट चुकी हैं और बहुत कमजोर हो चुकी है। कमजोर चट्टान के कारण बांध का पिलर वजन संभाल नहीं सकता और उसकी मजबूती खतरे में पड़ सकती है। इस वजह से किसी भी बड़े प्रोजेक्ट के टूटने या ढहने का जोखिम बहुत ज्यादा बढ़ जाता है।

पहाड़ खिसकने या भूस्खलन का बढ़ेगा खतरा : चीनी वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि बांध के जलाशय के आसपास की जमीन की बनावट बहुत ढीली है और वहां की मिट्टी-पत्थर मजबूती से जुड़े नहीं हैं। इस वजह से वहां बड़े पैमाने पर पहाड़ खिसकने या भारी भू-स्खलन होने की आशंका बहुत बढ़ गई है।

चुट्टूपालू घाटी में टेलर ने दो कारों को रौंदा, सभी बाल-बाल बचे

रामगढ़ : रामगढ़ थाना क्षेत्र के चुट्टूपालु घाटी में शनिवार अहले सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां एक ट्रेलर ने खराब पड़े एलपीजी गैस लदे टैंकर को ओवरटेक करने के दौरान दो कारों को अपनी चपेट में ले लिया। पर गनीमत रही कि हादसे में किसी को ज्यादा चोट नहीं लगी।

लेकिन हादसे के कारण कुछ देर के लिए आवागमन बाधित हो गई। सड़क पर छोटे-बड़े वाहनों को लंबी कतार लग गई। हालांकि कड़ी मशक्कत के बाद गैस टैंकर को हटाया गया, जिसके बाद चुट्टूपालु घाटी में आवागमन सुचारू हो सकी।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि सुबह करीब 9:30 बजे घाटी में एलपीजी गैस लदा टैंकर का ब्रेक फेल हो गया, जिसकी मरम्मत की जा रही थी। तभी छत्तीसगढ़ से आ रही एक ट्रेलर सीजी10एस1519 ने कार को ओवरटेक करने की कोशिश की। इस दौरान चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और मारुति डिजायर (जेएच2बी6481) और हुंडई क्रेटा (जेएच02बीएन 4677) को अपनी चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में दो कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि दुर्घटना में किसी को कोई खास चोट नहीं लगी है।

आधी रात बना खूनी मंजर... एक ही रात में 6 कत्ल, पत्नी और मासूम बच्चों तक को नहीं छोड़ा

एजेंसी

हैदराबादः तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां 35 साल के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी और दो छोटे बेटों की हत्या कर दी। इसके बाद उसने उस किशोरी और उसके परिवार के दो सदस्यों को भी निशाना बनाया, जिसने पहले उसके खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया था।

पुलिस आरोपी की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चला रही है, जो अभी भी फरार है। जांचकर्ताओं के अनुसार, राजकुमार नाम के आरोपी ने कथित तौर पर शुक्रवार रात शबाद स्थित अपने घर पर अपनी पत्नी, 30 वर्षीय पार्वती सरिता, और अपने दो बेटों (उम्र चार साल और एक साल) पर हमला करके हत्याओं का सिलसिला शुरू किया। पुलिस ने बताया कि हत्याओं के बाद, राजकुमार कथित तौर पर उस 17 वर्षीय लड़की के घर गया, जिसने इस

साल मई में उसके खिलाफ 'बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम' (पॉक्सो) के तहत शिकायत दर्ज कराई थी। जांचकर्ताओं का मानना ??है कि वह किशोरी को जबरन अपनी कार में एक सुनसान जगह ले गया, जहाँ कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी गई। आरोपी पर लड़की की 45 वर्षीय मां और 65 वर्षीय नानी की भी उनके घर पर हत्या करने का आरोप है। घटना के समय किशोरी की 20 वर्षीय बहन, जो दिव्यांग है, वहां मौजूद थी, लेकिन उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि बाद में राजकुमार ने फोन पर अपने पिता से संपर्क किया और कथित तौर पर हत्याओं की बात कबूल की, जिसके बाद उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया। उसने कथित तौर पर अपनी जान देने की भी बात कही, हालांकि पुलिस ने कहा कि इस दावे की कोई पुष्टि नहीं हुई है। आरोपी का पता लगाने के लिए पुलिस की कई टीमें बनाई गई हैं और अधिकारी कई सुरागों पर काम कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि राजकुमार और पार्वती ने 2018 में प्रेम विवाह किया था और बाद में शबाद और देवालागुडा में बस गए थे। दंपत्ति के तीन बच्चे थे, हालांकि उनकी सबसे बड़ी बेटी की बचपन में ही मौत हो गई थी।

जांचकर्ताओं ने बताया कि मई में किशोरी द्वारा पीछा करने और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद राजकुमार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक, उसने कथित तौर पर लड़की का उसके कोचिंग इंस्टीट्यूट से घर तक पीछा किया और बार-बार उस पर अपना प्रपोजल स्वीकार करने का दबाव डाला। बाद में उसे अग्रिम जमानत मिल गई, क्योंकि कोर्ट ने पाया कि जिन अपराधों के तहत मामला दर्ज किया गया था, उनमें सात साल से कम की सजा का प्रावधान था।

पुलिस ने यह भी कहा कि आरोपी का व्यवहार संबंधी समस्याओं का इतिहास रहा है। खबरों के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने जांचकर्ताओं को बताया कि वह मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था, उसे जुए की लत लग गई थी और उस पर आर्थिक कर्ज.का बोझ था। घटना के बाद राजकुमार के घर पहुंचे रिश्तेदारों का दावा है कि ऐसा लगता है कि दोनों बच्चों की हत्या तब की गई जब वे सो रहे थे, जबकि जिस कमरे में पार्वती का शव मिला, वहां हिंसक संघर्ष के निशान दिखाई दे रहे थे। उन्होंने यह भी बताया कि दरवाजे अंदर से बंद थे और पंखा, एयर-कंडीशनर और कूलर चल रहे थे।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच ऐतिहासिक एफटी समझौता, पीएम बोले-

खुलेगें निवेश और व्यापार के नए द्वार

✔ 2030 तक 35,000 करोड़ के व्यापार का लक्ष्य

एजेंसी

वेलिंगटन : भारत और न्यूजीलैंड के द्विपक्षीय रिश्तों में एक नए और सुनहरे अध्याय की शुरूआत हुई है। करीब 40 सालों के लंबे अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली आधिकारिक न्यूजीलैंड यात्रा है, जिसने दोनों देशों के संबंधों को स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप (रणनीतिक साझेदारी) की नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच हुई इस ऐतिहासिक बैठक में इंडिया-न्यूजीलैंड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिपः रोडमैप 2030 को हरी झंडी दे दी गई है। इस रोडमैप के जरिए आने वाले सालों में व्यापार, कृषि, सुरक्षा, इनोवेशन और पर्यटन जैसे अहम मोर्चों पर मिलकर जबरदस्त काम किया जाएगा।

2030 तक 35 हजार करोड़ के व्यापार का महात्वाकांक्षी लक्ष्यः दोनों

देशों के शीर्ष नेताओं ने आर्थिक सहयोग को नई रफ्तार देने के लिए एक बहुत बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत और न्यूजीलैंड ने तय किया है कि साल 2030 तक दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का कुल व्यापार दोगुना करके 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर यानी करीब 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाया जाएगा। इसके साथ ही दोनों देशों ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) को भी जल्द से जल्द लागू करने पर पूर्ण सहमति जताई है। इस अहम समझौते से आयात-निर्यात की राह में आने वाली तमाम बाधाएं दूर होंगी और भारतीय कारोबारियों को न्यूजीलैंड के बड़े बाजार तक सीधी और बेहतर पहुंच मिलेगी।

कृषि और डेयरी सेक्टर में तकनीक का होगा आदान-प्रदानः इस नए रोडमैप के तहत भारत के कृषि और डेयरी सेक्टर में भी कई क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिलेंगे। समझौते के अनुसार न्यूजीलैंड अब भारत में कीवी फल, सेब और शहद के उत्पादन को और बेहतर बनाने के लिए अपनी उन्नत तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। इतना ही नहीं, भारत में कीवी फ्रूट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने में भी न्यूजीलैंड पूरा सहयोग देगा। इसके अलावा दोनों देशों के बीच पशुपालन और डेयरी क्षेत्र की तरक्की के लिए एक नए सहयोग समझौते (एमओसी) पर भी अंतिम मुहर लग गई है।

पर्यटकों को तोहफा, शुरू होंगी नॉन-स्टॉप सीधी उड़ानेंः भारत और न्यूजीलैंड के बीच पर्यटन और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी एक बड़ा कदम उठाया गया है। दोनों देशों ने पर्यटन से जुड़े एक खास समझौते (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत एयरलाइंस कंपनियों को भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीधी और नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू करने के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। अगर ये सीधी उड़ानें शुरू हो जाती हैं, तो यात्रियों के लिए सफर बेहद आसान हो जाएगा और इससे टूरिज्म के साथ-साथ दोनों देशों के बीच व्यापार और शिक्षा के क्षेत्र में भी भारी उछाल देखने को मिलेगा।

कस्टम क्लीयरेंस होगा आसान, नाविकों को मिलेगा फायदाः कारोबार को और सुगम बनाने के लिए दोनों देशों ने कस्टम प्रक्रिया को बेहद आसान बनाने पर भी सहमति जताई है। इसके तहत ऑथराइज्ड इकोनॉमिक ऑपरेटर इकोनॉमिक म्यूचल रिकग्निशन अरेंजमेंट (एईओ- एमआरए) को लागू किया जाएगा, जिससे भरोसेमंद आयात-निर्यात कंपनियों का कस्टम क्लीयरेंस तेजी से हो सकेगा। इसके साथ ही समुद्री क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाते हुए दोनों देश नाविकों के प्रमाणपत्रों को पारस्परिक मान्यता देने पर काम करेंगे। इस शानदार फैसले से भारतीय नाविकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार और तरक्की के ढेरों नए अवसर पैदा होंगे।

भारतीय नौसेना की बढ़ी ताकत, मिला नया ताकतवर युद्धपोत महेंद्रगिरि

✔ रक्षा मंत्री बोले-यह देश की सुरक्षा में मील का पत्थर

एजेंसी

नई दिल्ली/विशाखापत्तनम : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में भारतीय नौसेना के अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया। यह प्रोजेक्ट-17ए के तहत निर्मित छठा स्वदेशी युद्धपोत है, जिसे भारतीय नौसेना के ईस्टर्न फ्लीट में शामिल किया गया है। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश देश के रक्षा और एयरोस्पेस निर्माण क्षेत्र में एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने बताया कि आईएनएस महेंद्रगिरि हवा, समुद्र और पानी के भीतर से आने वाले खतरों का एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है। नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित समारोह में वरिष्ठ नौसेना अधिकारियों और अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में राजनाथ सिंह ने इसे भारतीय रक्षा क्षेत्र में

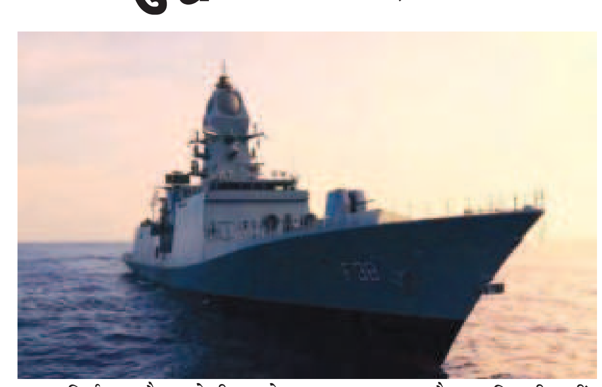

आत्मनिर्भरता और स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि हाल के वैश्विक घटनाक्रमों ने यह साबित कर दिया है कि किसी भी देश के लिए एक सक्षम और त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली नौसेना कितनी आवश्यक होती है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद भारतीय नौसेना ने ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा के तहत 9,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का आवश्यक सामान लेकर जा रहे 18 व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय नौसेना केवल एक मजबूत सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि देश के आर्थिक हितों की भी प्रभावी संरक्षक है।

आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है, जबकि इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (मुंबई) ने किया है। यह भारत की सबसे आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें दुश्मन के रडार से बचने की उन्नत तकनीक, अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली और उच्च स्तर का ऑटोमेशन शामिल है। यह युद्धपोत समुद्र में विभिन्न प्रकार के सैन्य अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है।

न्यूज IN ब्रीफ

पथ निर्माण कार्य व उप स्वास्थ्य केंद्र का हुआ शिलान्यास

जोन्हा : सिल्ली विस अन्तर्गत अनगढ प्रखंड के जोन्हा डीपाटोली में पथ निर्माण का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास गांव डीपाटोली की बुजुर्ग महिला अरसेन बेक के करकमलों से हुआ। ग्रामीण बताते हैं कि मुख्य रास्ते से गांव तक जाने का जंगल से बस यही कच्चा रास्ता था, पथ बनने से हमलोग को काफी राहत मिलेगी। इस पर विधायक अमित महतो ने सबका अभिवादन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का प्रयास है कि और भी ऐसी बहुत योजना धरातल पर लाई जाएगी। इसके अलावा सोनापतरा से जोन्हा बजारहाट तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य के शिलान्यास से ग्रामीण काफी खुश हैं। इस अवसर पर ग्रामीणों के बीच मिठाई भी बांटा गया। शिलान्यास बुजुर्ग महिला को अंगवस्त्र दे कर सम्मानित किया गया। अंत में वरवादाग पंचायत भवन के क्षेत्र में स्वास्थ्य उप केन्द्र भवन निर्माण का उद्घाटन किया गया। शिलान्यास कार्यक्रम में शीलवन्ती बेक, विशवासी बेक, शालमी एक्का, सोहन बेक, जॉन बेक, रौशन बेक, अनु बेक, सोनामी बेक, धनेशवर महतो, दनियल बेक, संतोष बेक, किसलय महतो समेत ग्रामीण उपस्थित थे।

पिकअप वैन पलटा ड्राइवर व खलासी सुरक्षित

मुरी/सिल्ली : रांची पुरुलिया रोड के बरवादाग के पास एक पिकअप वैन जिसका नंबर जेएच 01जीके 7239 है वह रांची से सब्जी लेकर कोलकात्ता जाने के क्रम में बीच में ही दुर्घटना ग्रस्त हो गया। गाड़ी रोड से 10 मीटर दूर जा गिरा । गाड़ी का चारो चक्का ऊपर हो गया। मगर इस दुर्घटना में ड्राइवर व खलासी को कोई नुकसान नहीं हुआ । दोनो सुरक्षित हैं । गाड़ी में पत्ता गोभी व हरी मिर्च लदी हुई थी जो रांची मंडी से कोलकात्ता जा रही थी।

अज्ञात शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

मुरीः सिल्ली कोचाजारा के समीप रेलवे पटरी पोल संख्या 361/15 में अज्ञात शव मिला । अज्ञात लाश को लेकर पुलिस जांच में जुट गयी है।

वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी संजय आर्या का निधन, खेल जगत में शोक की लहर

चतरा : जिले के वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी एवं चतरा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष संजय आर्या का इलाज के दौरान रांची में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही चतरा के खेल जगत, विशेषकर क्रिकेट खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई। संजय आर्या ने वर्षों तक चतरा में क्रिकेट के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चतरा क्रिकेट एसोसिएशन में कोषाध्यक्ष के रूप में उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके इस योगदान को क्रिकेट जगत हमेशा याद रखेगा। पुराना पेट्रोल पंप क्षेत्र के निवासी संजय आर्या केवल एक अच्छे क्रिकेट खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि बेहद सरल, मृदुभाषी और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। उनका व्यवहार सभी के प्रति आत्मीय और सम्मानपूर्ण था। यही कारण है कि वे खिलाड़ियों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग में समान रूप से सम्मानित और प्रिय थे। उनके निधन पर चतरा क्रिकेट एसोसिएशन, जिले के खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। सभी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में उन्हें संबल प्रदान करने की कामना की। संजय आर्या का असमय निधन चतरा के खेल जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके योगदान, सादगी, सौम्य स्वभाव और खेल के प्रति समर्पण को लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

कबड्डी खिलाड़ियों के लिए खेल मैदान की मांग

चतराः जिले में कबड्डी खिलाड़ियों के लिए खेल मैदान उपलब्ध कराने की मांग को लेकर सांसद प्रतिनिधि (स्वास्थ्य विभाग) राजा कुमार मालाकार ने शुक्रवार को उपायुक्त चतरा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि चतरा जिले में बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली कबड्डी खिलाड़ी हैं, लेकिन नियमित अभ्यास और प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए पर्याप्त खेल मैदान नहीं होने से खिलाड़ियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।ज्ञापन में बताया गया है कि खेल मैदान के अभाव में खिलाड़ी सड़क किनारे अथवा असुरक्षित स्थानों पर अभ्यास करने को मजबूर हैं, जिससे उनके प्रदर्शन और सुरक्षा दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो जिले के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर चतरा का नाम रोशन कर सकते हैं।सांसद प्रतिनिधि ने उपायुक्त से मांग की कि प्रत्येक प्रखंड स्तर पर कबड्डी अभ्यास हेतु खेल मैदान विकसित किए जाएं, मैदानों में समतलीकरण, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा जिला खेल विभाग के माध्यम से नियमित प्रशिक्षण शिविर और प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाए। साथ ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आवश्यक खेल सामग्री एवं प्रोत्साहन देने की भी मांग की गई।उन्होंने विश्वास जताया कि जिला प्रशासन युवाओं के हित में इस महत्वपूर्ण मांग पर सकारात्मक और शीघ्र कार्रवाई करेगा।

चतरा होमगार्ड बहाली में चंद्रीगोविंदपुर पंचायत के 6 युवाओं का चयन

चतराः जिले में गृह रक्षा वाहिनी (होमगार्ड) नव-नामांकन विज्ञापन के तहत जारी मेधा सूची में चंद्रीगोविंदपुर पंचायत के होनहार युवाओं ने अपनी सफलता का परचम लहराया है। पंचायत के कुल 6 अभ्यर्थियों ने इस बहाली में अपनी जगह पक्की कर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। सफलता हासिल करने वाले इन होनहारों में चंद्रीगोविंदपुर की नमिता कुमारी, नेहा कुमारी और राकेश कुमार, चंद्रीकला की खुशबू कुमारी, तथा अनन्तपुर से शारदा कुमारी व आलोक कुमार शामिल हैं। इस शानदार उपलब्धि पर पंचायत भवन में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जहां सभी सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।इस मौके पर पंचायत की मुखिया के पति जितेंद्र सार्थक ने सभी युवाओं को सम्मानित करते हुए बधाई दी।

मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र में राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस

प्रगतिशील मत्स्य कृषकों को किया गया सम्मानित

मछली पालन में झारखंड को बनाएं अग्रणी राज्य : अमरेन्द्र कुमार

मेट्रो रेज

रांची : राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस पर मत्स्य निदेशालय, झारखंड के तत्वावधान में मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र शालीमार, धुर्वा में एक समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मत्स्य निदेशालय के निदेशक अमरेंद्र कुमार सहित अन्य गणमान्य ने उन मत्स्य कृषकों के अटूट समर्पण को श्रद्धांजलि दी, जो भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और मछली आधारित प्रोटीन की बढ़ती मांग को पूरा करने व ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा दने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मत्स्य निदेशालय के निदेशक अमरेंद्र कुमार ने कहा कि मछली उत्पादन में राज्य को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में झारखंड के मत्स्य कृषकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित राज्य संपोषित योजनाओं से शत प्रतिशत लाभकों को आच्छादित करने की दिशा में मत्स्य निदेशालय सतत प्रयासरत है। उन्होंने मत्स्य कृषकों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

समारोह में उप मत्स्य निदेशक शंभू प्रसाद यादव ने राष्ट्रीय मत्स्य दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के ही दिन वर्ष 1957 में प्रख्यात मत्स्य वैज्ञानिक डॉ. हीरालाल चौधरी तथा केएच अलिकुनी के द्वारा मछलियों को हॉर्मोन की सूई देकर प्रेरित प्रजनन कराने में पहली बार सफलता मिली थी। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में भारत सरकार के निदेश पर सभी राज्य एवं केन्द्र सरकार के मत्स्य विभागों में तथा मत्स्य संस्थानों में विशेष रूप से 'राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस' का आयोजन किया जाता है।

कार्यक्रम का उद्घाटन अमरेन्द्र कुमार, निदेशक मत्स्य के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

उन्होंने सभी मत्स्य कृषक, पदाधिकारियों से आह्वान किया कि डॉ. हीरालाल चौधरी से प्रेरणा लेते हुए मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता हासिल करें एवं वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर मत्स्य पालन करें, ताकि मछली उत्पादन के रिकार्ड स्तर तक पहुंचने में सफल हो सकें।

उन्होंने बताया कि सूखे की स्थिति में बड़े-बड़े जलाशयों में केज कल्चर के माध्यम से मत्स्य उत्पादन अधिक से अधिक प्राप्त करने में सफलता मिली है।

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियां वितरित

इस अवसर पर सांकेतिक रूप से रांची जिला के तीन मत्स्य बीज उत्पादकों के बीच स्पॉन, फीड एवं जाल का वितरण किया गया। साथ ही राज्य के विभिन्न जिला के उत्कृष्ट मत्स्य कृषकों को सम्मानित किया गया।

साथ ही उनके बीच परिसम्पतियों का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर मत्स्य किसान प्रशिक्षण केन्द्र में पौधरोपण कार्यक्रम, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जलकृषि बीमा कैम्प तथा एनएफडीपी रजिस्ट्रेशन कैम्प लगाया गया। कार्यक्रम के उपरांत आइएममसी मछलियों का प्रेरित प्रजनन कार्य भी किया गया।

वित्तीय वर्ष 2025-26में मछली उत्पादन बढ़कर हुआ 3.30 लाख मिट्रीक टन

समारोह में निदेशक अमरेंद्र कुमार ने बताया कि कि झारखंड गठन के बाद राज्य का मछली उत्पादन 14 हजार मिट्रीक टन से बढ़कर मत्स्य कृषकों के प्रयास से वित्तीय वर्ष-2025-26 में 3.30 लाख मिट्रीक टन हो गया है। इसका श्रेय राज्य के मत्स्य कृषकों, मत्स्य मित्रों, मत्स्य बीज उत्पादकों, विभाग के तकनीकी पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं सरकार की योजनाओं को जाता है। उन्होंने बताया कि कृषकों के सुझाव पर विभाग के द्वारा मछली उत्पादन से लेकर मछली बिक्री तक की योजनाओं को चलाया जा रहा है। जिससे मछली उत्पादन के साथ-साथ मत्स्य विक्रेताओं को भी सीधे लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य को मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर एवं मछली पालन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साधन को सृजित करने के लिये विभाग कृत संकल्प है।

इस अवसर पर विभा सिंह चेयरपर्सन, झारखंड कॉपरेटिव बैक, डॉ. एचएन द्विवेदी, (सेवानिवृत्त निदेशक मत्स्य) मनोज कुमार, (सेवानिवृत्त संयुक्त मत्स्य निदेशक), आशीष कुमार, (सेवानिवृत्त उप मत्स्य निदेशक), मनोज कुमार, (सेवानिवृत्त सहायक मत्स्य निदेशक, अनुसंधान), दीपक कुमार सिंह, प्रमोद कुमार राय, शत्रुघन प्रसाद सिंह, प्रभा निर्मला मिंज, सभी सेवानिवृत्त जिला मत्स्य पदाधिकारी एवं विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। मंच संचालन मंजूश्री, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी तथा सुश्री साहिबा आफरीन डीपीएम, पीएमएसवाई सेल द्वारा किया गया। प्रशांत कुमार दीपक, मुख्य अनुदेशक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

मत्स्य पालकों को भी बिजली दर में अनुदान की व्यवस्था हो: डॉ एचएन द्विवेदी

राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस पर मत्स्य निदेशालय के पूर्व निदेशक डॉ. एच एन द्विवेदी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मध्य पालन को कृषि का दर्जा दिया गया है लेकिन मत शिक्षकों को किसने की तर्ज पर बिजली दर में कोई अनुदान नहीं दिया जाता है इसलिए उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि मत्स्यपालकों को भी किसने की तरह बिजली दर में अनुदानित दर पर बिजली उपलब्ध कराई जाए।

तालाबों के सौंदर्यीकरण योजना में मत्स्य विभाग के पदाधिकारी को भी शामिल किया जायः मनोज कुमार

मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र, शालीमार, धुर्वा में आयोजित राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस पर सेवानिवृत्त संयुक्त मत्स्य निदेशक मनोज कुमार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा तालाबों का सौंदर्यीकरण किया जाता है, लेकिन तालाबों में हमेशा पानी कैसे जमा रहे, इसका ध्यान नहीं रखा जाता। उन्होंने तालाबों के सौंदर्यीकरण योजना में मत्स्य विभाग के पदाधिकारियों से सलाह-मशविरा करने और योजना के लिए बनी समिति में मत्स्य विभाग के पदाधिकारी को शामिल करने का अनुरोध किया। वहीं, उन्होंने कहा कि राज्य में केज कल्चर से मत्स्य पालन की शुरूआत हुए लगभग 12 साल से अधिक हो चुके हैं। कई केज जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। उन्होंने केज मरम्मत कराकर केज कल्चर को विस्तारित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मांगुर मछली झारखंड की राजकीय मछली घोषित हो चुकी है। मांगुर ब्रिडिंग पर भी ध्यान देने के अपील की। उन्होंने कहा कि मांगुर मछली विलुप्त होती प्रजाति की श्रेणी में है। इसलिए इसके ब्रिडिंग पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है।

झारखंड राज्य खाद्य आयोग के प्रभारी अध्यक्ष ने विभिन्न योजनाओं का किया निरीक्षण

समीक्षा बैठक में दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

चतराः झारखंड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष सह सदस्य शबनम परवीन दो दिवसीय भ्रमण पर चतरा पहुंची। भ्रमण के दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं संस्थानों का निरीक्षण किया तथा चतरा परिसदन में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक कर संबंधित विभागों के कार्यों की समीक्षा की। भ्रमण के प्रथम दिन प्रभारी अध्यक्ष ने सदर अस्पताल स्थित कुपोषण उपचार केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान भोजन संबंधी मेन्यू को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कराने, लाभुकों को देय प्रोत्साहन राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने तथा केंद्र का नियमित निरीक्षण एवं प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही रेडी-टू-ईट आपूर्ति से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा।द्वितीय दिन प्रभारी अध्यक्ष ने प्रतापपुर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं जन वितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री पोषण योजना के अंतर्गत बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन, मेन्यू के अनुपालन, अंडा एवं फल वितरण तथा अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकांश संस्थानों में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। जहां आवश्यक सुधार की आवश्यकता पाई गई, वहां संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति, पोषण व्यवस्था एवं आधारभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं नियमित अनुश्रवण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं विद्यालयों में भोजन की गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।इसके उपरांत चतरा परिसदन में आयोजित समीक्षा बैठक में क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्राप्त बिंदुओं, प्रधानमंत्री पोषण योजना, आंगनबाड़ी केंद्रों, जन वितरण प्रणाली तथा आयोग में लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई। प्रभारी अध्यक्ष ने संबंधित पदाधिकारियों को आयोग में लंबित शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करते हुए 15 दिनों के भीतर कृत कार्रवाई प्रतिवेदन आयोग को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। जिन पात्र व्यक्तियों का राशन कार्ड विभिन्न कारणों से निष्क्रिय अथवा विलोपित हो गया है, उनकी जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाते हुए पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया।बैठक में अपर समाहर्ता सह जिला शिकायत निवारण पदाधिकारी अरविंद कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नीतू सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अभिषेक पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीआरपीएफ जवान की मौत के बाद 40 घंटे से सड़क जाम

टंडवा से सिमरिया देल्हो रास्ते कोल वाहन परिचालन हमेशा के लिए बंद करने की मांग

दो सूत्री मांगों को लेकर झामुमो नेता मनोज चंद्रा का आमरण अनशन आज से शुरू

संवाददाता

चतराः जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के देलहो घाटी में गुरुवार को कोल वाहन की चपेट में आने से सीआरपीएफ जवान लक्ष्मण यादव(28 वर्ष) की हुई मौत मामले ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है।घटना के बाद जाम स्थल पर ग्रामीणों के समर्थन में राज्य की सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा के सिमरिया विधान सभा प्रभारी सह केंद्रीय कमिटी के सदस्य मनोज चंद्रा दो सूत्री मांगों को लेकर आज शनिवार को सुबह 10 बजे से देल्हो बिराजपुर घटना स्थल पर आमरण अनशन पर बैठ गए है। झामुमो नेता मनोज चंद्रा ने कहा है कि हजारीबाग जिले के चट्टी बारियातू से सिमरिया, देल्हो के रास्ते कटकमसांडी तक अंधाधुंध कोल वाहन चलाया जा रहा है। तेज रफ्तार कोल वाहनों से सैकड़ों महिलाओं की मांग सुनी हुई है। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों की मनमानी चरम पर है। कोल कंपनियों के सहयोग से प्रशासनिक पदाधिकारी मामले को रफा दफा करने में अपनी भूमिका निभाते हैं, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से कोल वाहनों की चपेट में आने वाले लोगों की मौत पर मृतक परिवार को कम से कम 11 लाख रुपए मुआवजा फिक्स करने की मांग की।कहा कि, कंपनियों की दोहरी नीति नहीं चलेगी। साथ हीं प्रभावित गांवों को कोल कंपनी द्वारा विकास भी करना सुनिश्चित करना होगा।

यात्री बस और एसयूवी 700 की आमने-सामने टक्कर, दो घायल

संवाददाता

खूंटी : खूंटी-कोलेबिरा राज्य राजमार्ग-3 पर तोरपा थाना क्षेत्र के ममरला गांव के समीप शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे अंजनी नामक यात्री बस और एसयूवी 700 कार के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना में कार सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बस में सवार कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि एसयूवी 700 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं यात्री बस का अगला हिस्सा भी बुरी तरह टूट गया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए। मामले की जानकारी तोरपा प्रखंड प्रमुख रोहित सुरीन और उप प्रमुख संतोष कर को भी दी गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे दोनों घायलों को बाहर निकाला और उपचार के लिए रेफरल अस्पताल, तोरपा भेजा। घायलों की पहचान गुमला निवासी 25 वर्षीय पंकज कुमार तथा ओडिशा निवासी 25 वर्षीय कलिया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अंजनी यात्री बस सिमडेगा से रांची की ओर जा रही थी, जबकि कार रांची से सिमडेगा की ओर जा रही थी। इसी दौरान ममरला के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद बस में सवार यात्रियों को भी हल्की चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। सूचना मिलने पर तोरपा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर थाना लाने की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

अशोक नगर हाई-प्रोफाइल चोरी केस में बड़ा खुलासा

80 लाख की जगुआर से पहुंचे थे बदमाश, फर्जी आधार से होटल में ठहरे

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची के पॉश इलाके अशोक नगर में हुई हाई-प्रोफाइल चोरी की जांच में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि वारदात को अंजाम देने वाले दो अपराधी करीब 80 लाख रुपये की जगुआर कार से 8 जुलाई की दोपहर रांची पहुंचे थे। कार पर उत्तर प्रदेश का नंबर प्लेट लगा था। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी जगन्नाथपुर स्थित बिरसा चौक के होटल पार्क रिट्रीट में ठहरे थे। होटल में कमरा लेने के लिए उन्होंने एक मुस्लिम व्यक्ति के नाम पर बने फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल किया। सीसीटीवी फुटेज से यह भी पता चला है कि होटल में ठहरने के दौरान दोनों कई बार बाहर गए, जिससे आशंका है कि वे वारदात से पहले इलाके की रेकी कर रहे थे।

रेकी के बाद बुधवार देर रात दोनों अशोक नगर रोड नंबर 4बी स्थित त्रिवेणी बिल्डर अखिलेश पांडेय के घर पहुंचे। एक आरोपी घर के अंदर घुसकर चोरी करता रहा, जबकि दूसरा बाहर निगरानी करता रहा। इसके बाद दोनों ने बिल्डर निशित केसरी के घर में भी चोरी का प्रयास किया, लेकिन वहां मौजूद अंगरक्षक की फायरिंग के बाद वे भाग निकले।

वारदात के बाद दोनों आरोपी वापस होटल पार्क रिट्रीट पहुंचे और रातभर वहीं रुके। गुरुवार सुबह करीब 5:20 बजे होटल से निकलकर फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और अन्य इनपुट के आधार पर यह स्पष्ट हुआ है कि आरोपी रांची छोड़ चुके हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि होटल में जमा कराया गया आधार कार्ड भी फर्जी था। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि अपराधियों का एक तीसरा साथी दूसरी कार में मौजूद था, जो होटल के बाहर रहकर पुलिस की गतिविधियों पर नजर रख रहा था।

एसआईटी का गठनः घटना की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी पारस राणा ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। टीम का नेतृत्व कोतवाली एएसपी निखिल राय करेंगे। एसआईटी में कोतवाली, धुर्वा, जगन्नाथपुर और पुंदाग ओपी के थाना प्रभारियों को शामिल किया गया है। 8 लाख नकद और 90 लाख के जेवरात चोरीः इस मामले में अरगोड़ा थाना में आशुतोष पांडेय की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायत के अनुसार, चोर 8 लाख रुपये नकद और करीब 90 लाख रुपये मूल्य के सोने, हीरे, रुबी और चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए।

परिवार का आरोप है कि आरोपी उनके पिता अखिलेश पांडेय पर जानलेवा हमला करने की नीयत से घर में घुसा था। जब वे नहीं मिले, तो घर के सभी कमरों की अलमारी और वार्डरोब तोड़कर कीमती सामान समेट लिया। चोरी गए सामान में करीब 600 ग्राम सोने के आभूषण, हीरे का सेट, गोल्ड-रुबी सेट, चांदी के उपहार, महत्वपूर्ण दस्तावेज और नकद राशि शामिल हैं। घटना के बाद पूरा परिवार दहशत में है।

पुरानी चाबी

एक रिटायर्ड प्रोफेसर को हर रात एक पुराने लकड़ी का बक्सा(संदूक) बंद करने की आदत थी। उसके अंदर उनके सबसे कीमती कागजात, यादें और थोड़े से पैसे रखे होते थे। एक दिन संदूक के ताले की छोटी सी चाबी उनसे कहीं खो गई। उन्होंने हर जगह ढूंढा, मेज, अलमारी, किताबों की शेल्फ, यहां तक कि कालीन के नीचे भी। लेकिन चाबी नहीं मिली।

उन्होंने अपने बेटे को फोन किया, जो इंजीनियर था।

बेटा औजार, टॉर्च और गैजेट्स लेकर आया। उसने ताले को ध्यान से देखा और कहा, चिंता मत कीजिए पिताजी। मैं इसे तोड़ दूंगा।

तभी प्रोफेसर बोले,

रुको। पहले मैं अपने पुराने कॉलेज के रूममेट को फोन कर समस्या बताता हूं।

बेटा हैरान हो गया।

कहा,क्यों? वो तो ताला बनाने वाले नहीं है!

थोड़ी देर बाद उनका पुराना दोस्त आ गया। दोनों मिले, हंसे और कॉलेज के दिनों की बातें करने लगे। कुछ समय बाद दोस्त ने अचानक पूछा, क्या तुम आज भी जरूरी चीजें पुरानी डिक्शनरी में छुपाते हो, जैसे हॉस्टल में छुपाया करते थे। प्रोफेसर सन्न रह गए।

वह सीधे किताबों की शेल्फ के पास गए, एक मोटी डिक्शनरी निकाली और उसके पन्नों के बीच से वही छोटी सी चाबी मिल गई।

बेटा हंस पड़ा।

कहा, मेरे सारे इंजीनियरिंग के औजार फेल हो गए। आपके पुराने दोस्त ने आपको जानकर ही समस्या हल कर दी!

प्रोफेसर मुस्कुराए और बोले,

एक्सपर्ट समस्या हल कर सकते हैं।

लेकिन पुराने दोस्त वो जगहें याद रखते हैं, जहां तुम खुद को खो देते हो।

कहानी की सीख:

उन लोगों से जुड़े रहें, जिन्होंने आपके जीवन के अलग-अलग अध्याय देखे हैं। कभी-कभी वे सिर्फ आपकी समस्याओं का हल ही नहीं निकालते, आपके जीवन के उस हिस्से को भी ढूंढ लाते हैं, जिसे आप भूल गए थे।

राजीव कुमार
(सेवानिवृत्त निदेशक),
मत्स्य निदेशालय, झारखंड।

एसआईआर अभियान में करें सक्रिय सहयोग : रानी कुमारी

रांचीः समाजसेविका रानी कुमारी ने मतदाताओं से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए सही मतदाता सूची आवश्यक है। एसआईआर के तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं के नाम, पता, उम्र और फोटो का सत्यापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के नए मतदाता अपना नाम जुड़वाएं, पता बदलने पर जानकारी अपडेट कराएं तथा मृत या स्थानांतरित मतदाताओं की सूचना दें। रानी कुमारी ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है और लोगों को किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने सभी मतदाताओं से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने की अपील की।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–प्रिति कुमारी, उम्र–23 वर्ष, ऊँचाई–5 फिट 4 ईंच, रंग–गोरा पहनावा–हरा रंग का शर्ट कुर्ती एवं जींस पैंट पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता लड़की प्रिति कुमारी, उम्र–23 वर्ष, पिता–दशरथ बड़ाईक, ग्राम–पिण्डारकोन, पो0–तेतरी, थाना–खरसीदाग ओ0पी0, जिला–राँची ये दिनांक–06.07.2026 को घर से अपनी सहेली के पास जाने को कहकर निकली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में खरसीदाग ओ0पी0 सनहा सं0– 22 /2026, दिनांक–06.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आव यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता लड़की कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(mc-dcb@jhpolice.gov.in)

वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मु0) प्रथम, राँची। – 9431706141

थाना प्रभारी, खरसीदाग ओ0पी0, राँची। – 8987790695

आवेदिका रशमी कुमारी। – 9934611947

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR.NO.384645 Police(26-27):D

रक्षाबंधन पर डाक विभाग की अनूठी पहल

मात्र 70 रुपये में देशभर में भेजें हस्तनिर्मित राखी

मेट्रो रेज

रामगढ़ः रक्षाबंधन के पावन पर्व को लेकर डाक विभाग ने विद्यार्थियों और आम लोगों के लिए एक विशेष पहल शुरू की है। इस अभियान के तहत मात्र 70रुपये में स्पीड पोस्ट के जरिए देश के किसी भी हिस्से में हस्तनिर्मित राखी भेजी जा सकेगी। विभाग का उद्देश्य भाई-बहन के अटूट स्नेह को दूर-दराज तक पहुंचाने के साथ-साथ बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना और डाक सेवाओं के प्रति जागरूकता फैलाना है।

डाक विभाग द्वारा दी जा रही इस विशेष सुविधा में 55 रुपया स्पीड पोस्ट शुल्क, 10 रुपया विशेष वाटरप्रूफ राखी लिफाफा तथा 5 रुपया प्रबंधन शुल्क शामिल है। विभाग ने रक्षाबंधन के दौरान राखियों की सुरक्षित और समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए विशेष वाटरप्रूफ लिफाफे की व्यवस्था की है। इस अभियान के तहत रामगढ़ जिले के सभी स्कूलों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की गई है। बच्चों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वे अपने हाथों से सुंदर राखियां बनाकर डाक विभाग के माध्यम से अपने भाई-बहनों और प्रियजनों तक भेजें। डाक विभाग का मानना है कि यह पहल केवल एक डाक सेवा नहीं, बल्कि पारिवारिक रिश्तों को और मजबूत बनाने का प्रयास है। साथ ही इससे बच्चों की सृजनात्मक प्रतिभा को भी मंच मिलेगा और वे पारंपरिक त्योहारों से जुड़ाव के साथ डाक सेवाओं की उपयोगिता को भी समझ सकेंगे। मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, रामगढ़ सब डिवीजन के रविशंकर राय ने जिले के लोगों से इस अभियान का लाभ उठाने और रक्षाबंधन के अवसर पर हस्तनिर्मित राखियों के माध्यम से अपने स्नेह और प्रेम का संदेश देशभर में भेजने की अपील की है।

योगिनी एकादशी पर श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के पुंदाग स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में योगिनी एकादशी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। परम पूज्य डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

इस अवसर पर श्री राधा रानी का विशेष श्रृंगार किया गया तथा भगवान श्री राधा-कृष्ण को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ लड्डू, फल, खिचड़ी और मेवा का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

भजन गायक मनीष सोनी ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने योगिनी एकादशी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे आत्मशुद्धि, सेवा और ईश्वर भक्ति का पर्व बताया।

ट्रस्ट की ओर से बेंगलुरु निवासी अनिष्क नारायण के सहयोग से 'सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम' में रह रहे 50 से अधिक निराश्रितों को भोजन भी कराया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

SECTION -1
(NOTICE INVITING QUOTATION)
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
NATIONAL HIGHWAY DIVISION, GUMLA JHARKHAND -835207
E-Mail ID- eenhgumla-jhr@nic.in/eenhgumlajhr@gmail.com

Notice Inviting Quotation

Quotation Ref. No. NH/GUMLA/QUOT./01/2026-27 **Dated: 09.07.2026**

Name of work: Consultancy Services for preparation of Detailed Project Report (DPR) including Land Acquisition Proposal, Forest Clearance Proposal, Tree Cutting Proposal, Utility Shifting Proposal for the Bridge (3x24m) at Khatwa Nadi at 65th km of NH 143A (Ghagra to Gumla) in the State of Jharkhand.

Sealed Quotation are hereby invited from established, experienced and reputed individuals, firms/ Organizations and other agencies having adequate experience in execution of such works.

The blank BOQ and terms & conditions for the above may be obtained from the office of the undersigned on any working day **from 13.07.2026 on 11:00** AM office hours by submitting a copy of online receipt towards payment of cost of document of Rs.1000/- (Rupees One Thousand only/-) on NTRP Portal- https://bharatkosh.gov.in/Ministry Info.aspx through Pay & Account Office Code : 034756- PAO(NH)-Kolkata and Drawing & Disbursing Officer (DDO) Code : 202122-Regional Officer, Ministry of Road Transport Highways.

The duly filled quotation in sealed envelope can be submitted in two envelops (1. Technical and 2. Financial) in the office of the undersigned **up to 03:00 PM on 24.07.2026**. The quotation will be **opened on 24.07.2026 at 03:30 PM** in the presence of intending quotations or its authorized representatives, who choose to remain present.

1. Technical Bid shall contain the Company Profile, Experience Details, Technical man power and their profile, No of DPR prepared, Annual Turnover, etc.
2. Financial Bid shall contain the financial quote for preparation of DPR including all prevailing taxes.

This office reserves the right to reject all Quotations and cancel the Quotations without assigning any reasons.

Sd/- Executive Engineer
National Highway Division, Gumla
Ph: 8789523476

PR.NO.384689 Road(26-27):D

सरकार की नीतियों और सुशासन के कारण निवेशकों का बढ़ा विश्वास: विजय शंकर

संवाददाता

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी (जेपीसीसी) के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कहा कि नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन के दौरान हुए 14 एमओयू और 99,639 करोड़ के प्रस्तावित निवेश ने राज्य में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाया है। उन्होंने दावा किया कि इससे भाजपा के विकास संबंधी दावों की पोल खुल गई है।

नायक ने कहा कि भाजपा के 14 वर्षों के शासन में राज्य औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में अपेक्षित प्रगति नहीं कर सका, जबकि वर्तमान कांग्रेस-झामुमो गठबंधन सरकार की नीतियों और सुशासन के कारण निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल एमओयू करना नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारकर स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना, उद्योगों को बढ़ावा देना और किसानों, मजदूरों, आदिवासियों व छोटे उद्यमियों को विकास से जोड़ना है। भाजपा पर निशाना साधते हुए विजय शंकर नायक ने कहा कि कांग्रेस-झामुमो गठबंधन सरकार नीति, नीयत और परिणाम के आधार पर काम कर रही है, जबकि भाजपा केवल प्रचार की राजनीति करती रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड अब विकास, निवेश और रोजगार की नई पहचान बना रहा है।

मायरा पॉलीक्लिनिक का निःशुल्क मेडिकल जांच व परामर्श शिविर , सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

मेट्रो रेज

रांचीः कांटा टोली स्थित मैरा पॉलीक्लिनिक, मौलाना आजाद कॉलोनी में आयोजित निःशुल्क मेडिकल जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने भाग लेकर अनुभवी चिकित्सकों से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श का लाभ उठाया। पूरे दिन मरीजों की भीड़ रही और सैकड़ों लोगों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

शिविर में रांची के प्रसिद्ध जनरल सर्जन डॉ. सैयद अल्तमश ने मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। वहीं प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. शफीक, डॉ. रुची, डॉ. रेशमा अंजुम तथा फिजिशियन डॉ. ताबां रिजवी ने भी अपनी सेवाएं देते हुए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें उचित इलाज एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

शिविर में विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों का परीक्षण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क परामर्श मिलने पर मरीजों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। कई जरूरतमंद मरीजों को समय पर चिकित्सकीय सलाह मिलने से काफी राहत मिली।

इस जनहितकारी मेडिकल कैंप को सफल बनाने में मौलाना आजाद कॉलोनी एवं आसपास के मोहल्ले के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं तथा स्थानीय लोगों का सराहनीय सहयोग रहा। सभी ने मिलकर शिविर की व्यवस्था, पंजीकरण, मरीजों के मार्गदर्शन एवं अन्य व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई, जिसके कारण शिविर शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मायरा पॉलीक्लिनिक प्रबंधन ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना संस्थान का उद्देश्य है। लोगों की भारी भागीदारी और सकारात्मक सहयोग को देखते हुए भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित किए जाएंगे।

अंत में मायरा पॉलीक्लिनिक प्रबंधन ने सभी चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों, मोहल्ले के सम्मानित नागरिकों तथा शिविर में शामिल होकर इसे सफल बनाने वाले सभी लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

अदालत के आदेश से मिले एसीपी लाभ को गलत बताना अवमाननाजनक : हाईकोर्ट

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने क्षेत्रीय शिक्षा उपनिदेशक के उस हलफनामे पर कड़ी नाराजगी जताई, जिसमें अदालत के पूर्व आदेश के तहत दिए गए एसीपी लाभ को गलत बताया गया था। जस्टिस दीपक रोशन की एकल पीठ ने इसे अवमाननाजनक बताते हुए याचिकाकर्ता शैलेश कुमार सिंह को तीसरे एमएसीपी के तहत 4800 ग्रेड पे का लाभ देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि पहले हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में दिए गए एसीपी लाभ को बाद में गलत नहीं ठहराया जा सकता। साथ ही, अन्य समान कर्मचारियों को लाभ देकर याचिकाकर्ता को वंचित रखना समानता के अधिकार का उल्लंघन है। हाईकोर्ट ने विभाग के आदेश को रद्द करते हुए निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को 1 सितंबर 2008 से तीसरे एमएसीपी का लाभ, 4800 ग्रेड पे और सभी वित्तीय बकाया का भुगतान किया जाए।

उर्दू के वरिष्ठ पत्रकार मोजफर हसन की पत्नी का निधन,पत्रकारों ने किया शोक प्रकट

रांची : वरिष्ठ पत्रकार मोजफर हसन की पत्नी के निधन पर पत्रकारों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। एक शोक सभा कर दो मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। पत्रकारों ने कहा कि इस दुख की घड़ी में हम सभी मोजफर व उनके परिजन के साथ हैं। भगवान उन्हें इसे सहनने की शक्ति प्रदान करें। ज्ञात हो कि मोजफर की पत्नी विगत कई दिनों से बीमार चल रही थी, जिसका इलाज चल रहा था। चार दिन से पत्नी की स्थिति ज्यादा खराब हो गई थी। शुक्रवार को इलाज के लिए रिम्स ले जाने के क्रम में उनकी मौत हो गई। वहीं पत्रकार टीम भी उनके यहां पहुंच कर संवेदना व्यक्त की। संवेदना व्यक्त करने वालों में शहरोज कमर,खुर्शीद आलम, गुलाम शाहिद ,ऐहसानुल हसन , आदील रशीद,इकबाल सबा, मो इमरान, मोकर्रम हयात, मो आसीफ, दानिश अयाज, मोजमिल आलम, असगर खान, अभिषेक अजफर नवाज, नसीम अख्तर, अभिषेक सिंह, मो मोती लाल व अन्य शामिल थे।

न्यायालय, अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सदर, हजारीबाग
Eviction Suit No.– 02/2026

नीलिमा वर्मा
बनाम
रिसव राज

नोटिस बनाम :–

प्रथम पक्ष:–
नीलिमा वर्मा पे0 स्व0 हर्ष वर्मा, पता– Sanctoriya, Canary Hill Road, Dipugarha, P.O.- कोर्रा, जिला– हजारीबाग।

द्वितीय पक्ष:–
रिसव राज पे0 स्व0 अनिल कुमार सिन्हा, पता– काली बाड़ी रोड, नियर बुढ़वा महादेव, हजारीबाग टाउन, थाना– सदर, जिला– हजारीबाग।

आवेदिका नीलिमा वर्मा पे0 स्व0 हर्ष वर्मा, पता– Sanctoriya, Canary Hill Road, Dipugarha, P.O. + P.S.- कोर्रा, जिला– हजारीबाग के द्वारा Jharkhand Building (Rent, Lease & Eviction) Controll Act. 2011 U/S-25 के तहत अधिवक्ता के माध्यम से वकालतनामा के साथ आवेदन दाखिल किया गया। दाखिल आवेदन के अनुसार खासमहाल की भूमि जिसका होल्डिंग सं0– 77 में कई प्लॉट की भूमि रकवा 1.26 ए0 जो Canary Hill Road में है, उनके पति को रजिस्टर्ड डीड ऑफ गिफ्ट से प्रथम पक्ष के पति के पिता स्व0 रमैया जी वर्मा से मिला, जिसका लीज नवीकरण वर्ष 2008 से अगले 30 वर्ष तक के लिए खासमहाल से हुआ है। प्रथम पक्ष के पति एवं द्वितीय पक्ष एक दूसरे के बहुत नजदीकी थे। वर्ष 2020 में द्वितीय पक्ष ने प्रथम पक्ष के पति (मृत) से वादगत भूमि में 155 फीट पूरब से पश्चिम एवं 25 फीट उत्तर से दक्षिण मार्केट कॉम्पलेक्स बनाने हेतु प्लॉट सं0– 283 की भूमि को उनके पति के द्वारा द्वितीय पक्ष को एग्रीमेंट की शर्तों के आधार पर दिनांक 30/11/2020 को Schedule 'A' की भूमि जो दिनांक 01/05/2021 से मान्य था उसे 90,000/– (नब्बे हजार) प्रतिमाह पर किराया में दे दिया गया, जिसका किराया भुगतान प्रत्येक माह की 7वीं दिन तक कर देना था। द्वितीय पक्ष ने एग्रीमेंट की शर्तों के आधार पर अपने खर्च पर मार्केट कॉम्पलेक्स बना कर व्यवसाय शुरू कर दिए। द्वितीय पक्ष ने पहले 06 माह का किराया की राशि को समय पर उनके पति को दिए। इसके बाद द्वितीय पक्ष किराया देने में देर करना या आंशिक भुगतान करना शुरू कर दिया जो एग्रीमेंट शर्तों का उल्लंघन था। इस प्रकार मार्च 2024 से 01 (एक) लाख रूपये किराया का बकाया हो गया। दिनांक 22/04/2024 को प्रथम पक्ष के पति (मकान मालिक) हर्ष वर्मा की मृत्यु हो गई, जो घर के एक मात्र संभालने वाले व्यक्ति थे। उनकी मृत्यु के बाद परिवार का जिम्मेदारी प्रथम पक्ष के ऊपर आ गई और एकमात्र बेटा जो बेरोजगार हैं, उसे अपने और अपने परिवार की आय बढ़ाने क लिए एक श्रोत्त की आवश्यकता है, ताकि बेटा परिवार का भरण–पोषण कर सके और परिवार के खर्चों का पुरा कर सकें। बेरोजगार के बेटे के खुद का व्यवसाय करने के हेतु द्वितीय पक्ष से बाजार (मार्केट) परिसर खाली कराने का अनुरोध प्रथम पक्ष के द्वारा किया गया है।

अतएव आपको इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में दिनांक 23/07/2026 को 10.30 बजे पूर्वाहन में उक्त वाद में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखना सुनिश्चित करें।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से आज दिनांक 22/06/2026 को निर्गत किया गया।

अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
सदर, हजारीबाग।

PR 384702 (District) 26-27 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

राष्ट्रनिर्माण में छात्रशक्ति : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 78वें स्थापना दिवस पर

भारत के राष्ट्रीय जीवन में विद्यार्थियों की भूमिका केवल शिक्षा प्राप्त करने तक सीमित नहीं रही है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर सामाजिक जागरण, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और राष्ट्रनिर्माण तक छात्रशक्ति ने समय-समय पर अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है। इसी छात्रशक्ति को संगठित, संस्कारित और राष्ट्रोन्मुख बनाने के उद्देश्य से 9 जुलाई 1949 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अइश्ढ) की स्थापना हुई। आज 78वें स्थापना दिवस के अवसर पर यह केवल एक संगठन की वर्षगाँठ नहीं, बल्कि सात दशकों से अधिक समय से चल रहे एक ऐसे छात्र आंदोलन का उत्सव है, जिसने शिक्षा, समाज और राष्ट्र के बीच सशक्त संवाद स्थापित करने का प्रयास किया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के समक्ष केवल राजनीतिक स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने की चुनौती नहीं थी, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र, शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक चेतना के पुनर्निर्माण का दायित्व भी था। ऐसे समय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का ध्येय सामने रखते हुए यह विचार प्रस्तुत किया कि विद्यार्थी केवल ₹भविष्य का नागरिक₹ नहीं, बल्कि ₹आज का सक्रिय नागरिक₹ है। यही विचार आगे चलकर परिषद की कार्यशैली का आधार बना। ₹ज्ञान, शील और एकता₹ का मूल मंत्र परिषद के व्यक्तित्व निर्माण के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है–ज्ञान से बौद्धिक विकास, शील से चरित्र निर्माण और एकता से राष्ट्र के प्रति समर्पण। पिछले 78 वर्षों में परिषद ने छात्रहित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, समयबद्ध परिणाम, छात्रवृत्ति, छात्रावास, पुस्तकालयों का सुदृढ़ीकरण, शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन, रोजगारोन्मुख शिक्षा तथा परिसरों में शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने जैसे विषय परिषद के प्रमुख अभियान रहे हैं। देश के अनेक विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की समस्याओं को लोकतांत्रिक माध्यमों से उठाने और उनके समाधान के लिए संवाद स्थापित करने में परिषद की सक्रिय भूमिका रही है। अभाविप की पहचान केवल आंदोलनों से नहीं, बल्कि रचनात्मक कार्यों से भी जुड़ी है। संगठन ने समय-समय पर समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सेवा कार्यों के माध्यम से सिद्ध किया है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं पुनर्वास, रक्तदान अभियान, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता अभियान, सामाजिक समरसता, ग्राम विकास, जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा तथा राष्ट्रीय एकता के कार्यक्रम परिषद की व्यापक सामाजिक दृष्टि को प्रतिबिंबित करते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी परिषद के कार्यकर्ताओं ने देशभर में राहत कार्यों में उल्लेखनीय भागीदारी निभाई। अभाविप की कार्यपद्धति का एक विशिष्ट पक्ष उसके विविध आयाम हैं, जिनके माध्यम से संगठन विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करता है। स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट (रत्रझ्र) पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, जैव विविधता, सतत विकास और जनजागरूकता के माध्यम से युवाओं को प्रकृति के प्रति उत्तरदायी बनाता है। वहीं स्टूडेंट्स फॉर सेवा (रत्रत्र) समाज के वंचित वर्गों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार और सेवा गतिविधियों को पहुँचाकर छात्रशक्ति को सामाजिक दायित्वों से जोड़ने का कार्य करता है। इसी प्रकार ह्लखेलो भारतह्व अभियान के माध्यम से परिषद महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करते हुए स्वस्थ, अनुशासित और ऊर्जावान युवा पीढ़ी के निर्माण का प्रयास कर रही है। वहीं ह्लराष्ट्रीय कला मंचह्व भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, लोक परंपराओं और सृजनात्मक अभिव्यक्तियों को मंच प्रदान कर विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय गौरव का भाव विकसित करता है। संगठन का विश्वास है कि महिला सशक्तिकरण के बिना राष्ट्र का समग्र विकास संभव नहीं है। इसी दृष्टि से छात्राओं के नेतृत्व विकास, सुरक्षा, स्वाभिमान, उच्च शिक्षा में समान अवसर तथा व्यक्तित्व निर्माण के लिए परिषद निरंतर कार्य कर रही है। 'मिशन साहसी' जैसे अभियानों के माध्यम से लाखों छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देकर आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया है। छात्रावासों की सुविधाएँ, परिसर सुरक्षा, महिला स्वास्थ्य, शिक्षा में समान अवसर तथा नेतृत्व निर्माण जैसे विषयों पर परिषद लगातार रचनात्मक पहल और लोकतांत्रिक संवाद करती रही है। आज एबीवीपी के विभिन्न स्तरों पर बड़ी संख्या में छात्राएँ नेतृत्वकारी भूमिका निभा रही हैं, जो संगठन की समावेशी कार्यसंस्कृति और महिला नेतृत्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। यदि इस युवा शक्ति को सही दिशा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, नवाचार और राष्ट्रीय दृष्टि प्राप्त हो, तो भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को अपेक्षाकृत कम समय में प्राप्त कर सकता है। इस संदर्भ में छात्र संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। अभाविप ने युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व, संगठन कौशल और राष्ट्रभाव विकसित करने के लिए अनेक प्रशिक्षण, अध्ययन, संवाद और नेतृत्व विकास कार्यक्रम संचालित किए हैं। वर्तमान समय में शिक्षा जगत तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल शिक्षा, स्टार्टअप संस्कृति, अनुसंधान, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे विषय नई पीढ़ी के सामने अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत कर रहे हैं। ऐसे समय में केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं है। आवश्यक है कि विद्यार्थियों में नैतिकता, संवेदनशीलता, लोकतांत्रिक आचरण और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व भी विकसित हो। यही वह संतुलन है जिसकी आवश्यकता आज के भारत को है। परिषद ने भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषा में शिक्षा, अनुसंधान संस्कृति, नवाचार तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर भी निरंतर विमर्श को आगे बढ़ाया है। साथ ही पूर्वोत्तर भारत, सीमांत क्षेत्रों और जनजातीय अंचलों के विद्यार्थियों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा ₹एक जन - एक राष्ट्र - एक संस्कृतिह्व की भावना को मजबूत करने के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता को सुदृढ़ करना भी है। यह भी उल्लेखनीय है कि परिषद ने अनेक ऐसे कार्यकर्ता तैयार किए जिन्होंने आगे चलकर शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, न्यायपालिका, उद्योग, सामाजिक जीवन और सार्वजनिक जीवन के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया। इससे स्पष्ट होता है कि छात्र जीवन में प्राप्त संगठनात्मक संस्कार व्यक्ति के दीर्घकालीन व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 78वाँ स्थापना दिवस केवल उपलब्धियों का स्मरण नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति नए संकल्प का अवसर भी है। भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षित, संस्कारित और उत्तरदायी युवा शक्ति सबसे बड़ी पूँजी सिद्ध होगी। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के परिसर केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान न बनें, बल्कि चरित्र, नेतृत्व, शोध, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के केंद्र बनें–यह समय की आवश्यकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि छात्र राजनीति केवल चुनावों तक सीमित न रहे, बल्कि शिक्षा सुधार, सामाजिक संवेदनशीलता, पर्यावरण संरक्षण, संवैधानिक मूल्यों, नवाचार और राष्ट्रनिर्माण जैसे विषयों पर भी सक्रिय भूमिका निभाए। जब विद्यार्थी अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी समान रूप से निर्वहन करेगा, तभी शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

अमेरिका कैसे तैयार करता है खेल चैंपियन

अमेरिका में अपने अनुभव के आधार पर वैद्य कहती हैं कि अमेरिकी खेलों की सफलता उन प्रणालियों में निहित है जो हर स्तर पर खिलाड़ियों को सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार की गई हैं। वैद्य कहती हैं, अमेरिका तीन आयामी दृष्टिकोण अपनाता है : संरचित, वैज्ञानिक और पेशेवर। अमेरिकी खेल उद्योग अत्यंत सुव्यवस्थित है। खेल क्षेत्र में प्रवेश करने वाले खिलाड़ियों को आमतौर पर अपने कॅरियर के मार्ग की स्पष्ट समझ होती है।

सैयद सुलेमान अख्तर

मुंबई स्थित अमेरिकी कांसुलेट द्वारा भोपाल में आयोजित एक हाइब्रिड सत्र के दौरान 80 से अधिक खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, कोचों और खेल प्रशासकों को संबोधित करते हुए ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम की पूर्व प्रतिभागी वैद्य ने बताया कि अमेरिकी खेल प्रणालियाँ खिलाड़ी विकास, विज्ञान, शिक्षा और व्यवसाय को किस प्रकार एक साथ जोड़कर न केवल चैंपियन तैयार करती हैं बल्कि पूरे खेल उद्योग का विकास भी करती हैं। वैदेही वैद्य चाहती हैं कि भारतीय खेल पेशेवर पदकों और मुकाबलों से आगे की सोच विकसित करें।

उनके सत्र का शीर्षक था अमेरिका की खेल प्रणालियाँ और मार्ग: चैंपियन और उद्योगों को आकार देने वाली संरचनाएँ।ह्व इस सत्र में प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि अमेरिका स्कूलों, कॉलेजों, पेशेवर लीग और विशेष सहायता नेटवर्कों के माध्यम से दीर्घकालिक खेल प्रणालियों का निर्माण कैसे करता है। अमेरिका में अपने अनुभव के आधार पर वैद्य कहती हैं कि अमेरिकी खेलों की सफलता उन प्रणालियों में निहित है जो हर स्तर पर खिलाड़ियों को सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार की गई हैं। वैद्य कहती हैं, ह्लअमेरिका तीन आयामी दृष्टिकोण अपनाता है: संरचित, वैज्ञानिक और पेशेवर। अमेरिकी खेल उद्योग अत्यंत सुव्यवस्थित है। खेल क्षेत्र में प्रवेश करने वाले खिलाड़ियों को आमतौर पर अपने कॅरियर के मार्ग की स्पष्ट समझ होती है। स्कूल टीमों से लेकर राष्ट्रीय लीग तक, प्रदर्शन विज्ञान के महत्व को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। अमेरिकी दृष्टिकोण केवल खिलाड़ियों के प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें बुनियादी ढाँचे, प्रबंधन और पेशेवर सहायता प्रणालियों में दीर्घकालिक निवेश भी शामिल है, जो समग्र रूप से खेल उद्योग को सशक्त बनाते हैं। वैद्य ने अमेरिकी विदेश विभाग के ग्लोबल स्पोर्ट्स मेंटरिंग प्रोग्राम में भाग लिया था, जिसका संचालन टेनेसी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्पोर्ट, पीस एंड सोसाइटी द्वारा किया जाता है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय खेल दिग्गजों को अमेरिकी मेंटर्स और संस्थानों से जोड़ता है ताकि खेल नेतृत्व और प्रबंधन से जुड़ी सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों का आदान-प्रदान किया जा सके। इस आदान-प्रदान कार्यक्रम के दौरान वैद्य ने देखा कि अमेरिकी खेल क्षेत्र में अनुसंधान, तकनीकी विशेषज्ञता और पेशेवर प्रबंधन किस प्रकार मिलकर कार्य करते हैं। इस अनुभव ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया कि अमेरिकी संगठन ऐसे दीर्घकालिक तंत्र कैसे विकसित करते हैं जो खिलाड़ियों और खेल पेशेवरों दोनों का समर्थन करते हैं। वह कहती हैं, ह्लचाहे कोचिंग हो, खेल विज्ञान हो या डेटा विश्लेषण, इन सभी क्षेत्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाता है और अनुसंधान का समर्थन प्राप्त होता है। यह कार्यप्रणाली मजबूत तकनीकी कार्यक्रमों के विकास में योगदान देती है और ऐसे पेशेवरों को तैयार करती है जो अपने-अपने क्षेत्रों में उच्च स्तर की विशेषज्ञता प्रदर्शित करते हैं। इस कार्यक्रम ने उन्हें खेल क्षेत्र के अग्रणी लोगों से जुड़ने और यह बेहतर समझने का अवसर भी दिया कि अमेरिकी संस्थान नवाचार और पेशेवर विकास को बढ़ावा देने वाले नेटवर्क कैसे विकसित करते हैं। वैद्य कहती हैं, ह्लमुझे प्रमुख खेल दिग्गजों से जुड़ने का अवसर मिला, जिसने व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के प्रति मेरे दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित किया। इस कार्यक्रम ने मुझे प्रभावी प्रणालियाँ लागू करने में सक्षम बनाया, जो भारत में एक सशक्त व्यवसाय स्थापित करने में योगदान देंगी। अमेरिकी मॉडल की सबसे प्रमुख विशेषताओं में से एक है खिलाड़ी विकास में शैक्षणिक संस्थानों की मजबूत भूमिका। स्कूल और कॉलेज खिलाड़ियों के लिए सुव्यवस्थित मार्ग तैयार करते हैं और साथ ही खेलों के व्यावसायिक विकास में भी योगदान देते हैं। वह कहती हैं, ह्लअमेरिका में स्कूल और कॉलेज, दोनों स्तरों पर खेलों का एकीकरण खिलाड़ी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। अमेरिका में स्कूलों और कॉलेजों की खेल प्रणाली सुव्यवस्थित है और इसमें व्यावसायिक पहलू भी शामिल है। कई खिलाड़ियों का चयन कॉलेज प्रतियोगिताओं से राष्ट्रीय स्तर की लीग में भाग लेने के लिए किया जाता है, जिससे यह खेल प्रणाली राष्ट्रीय टीमों के लिए एक प्रभावी आधार तैयार कर पाती है। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढाँचे तक पहुँच के महत्व पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, प्रारंभिक चरण में पेशेवर सुविधाओं का अनुभव खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में मदद करता है। वह बताती हैं, ह्लशैक्षणिक संस्थानों में उपलब्ध होने वाली पेशेवर स्तर की खेल सुविधाओं के चलते खेलों के विकास और प्रगति में मदद प्रदान हो जाती है। बुनियादी ढाँचे और प्रतियोगिता के मार्गों से आगे बढ़कर, वैद्य कहती हैं कि अमेरिकी प्रणाली की एक विशेषता यह भी है कि वह खिलाड़ी प्रशिक्षण और प्रदर्शन प्रबंधन में विशेषज्ञ पेशेवरों को किस प्रकार शामिल करती है। विश्लेषक, मनोवैज्ञानिक, प्रशिक्षक और अन्य विशेषज्ञ कोच के साथ मिलकर खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और व्यापक खेल उद्योग को मजबूत करने का कार्य करते हैं। वह कहती हैं, ह्लअमेरिका में खेल विश्लेषकों और खेल मनोवैज्ञानिकों जैसे विशेषज्ञ पेशेवरों के महत्व और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर उनके सकारात्मक प्रभाव के लिए व्यापक मान्यता प्राप्त है। कोच इन विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण और प्रतियोगिता में जो बेहतरी की जाती है, उसे स्वीकार करते हैं और उन्हें खेल प्रणाली का अनिवार्य हिस्सा मानते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण केवल खिलाड़ियों के प्रदर्शन में ही नहीं बल्कि खेलों के प्रबंधन और संगठन में भी नवाचार को प्रोत्साहित करता है। वैद्य कहती हैं, ह्लइन पेशेवरों का समावेश खेल उद्योग के संगठनात्मक, प्रबंधकीय और तकनीकी क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देता है।ह्व

भोपाल सत्र के दौरान वैद्य ने प्रतिभागियों को खेलों को केवल प्रतियोगिता के रूप में नहीं बल्कि एक सामुदायिक अनुभव और आर्थिक विकास के साधन के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि अमेरिका में खेल स्थल अक्सर ऐसे सामुदायिक केंद्रों की तरह कार्य करते हैं जो लोगों को एक साथ लाते हैं और खेलों के प्रति सहभागिता को बढ़ाते हैं।

वह कहती हैं, मेरा उद्देश्य था कि वे समझ सकें कि अमेरिकी स्कूल और कॉलेज खेल प्रणाली कैसे कार्य करती है। मैं यह भी चाहती थी कि वे खेलों के सामुदायिक आयाम को समझें, जहाँ खेल स्थल केवल स्टेडियम नहीं होते, बल्कि लोगों के एकत्र होने के स्थान भी होते हैं। वह कहती हैं कि सत्र का एक प्रमुख उद्देश्य ऐसे दीर्घकालिक तंत्रों के महत्व को रेखांकित करना भी था जो खेलों के सतत विकास में मदद देते हैं। वह बताती हैं, ह्लमैं चाहती थी कि वे यह समझें कि खेलों में सफलता स्थापित प्रणालियों पर निर्भर करती है, केवल ओलिंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने से आगे बढ़कर टिकाऊ खेल व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता को समझें, और खेल स्थलों तथा आयोजनों को सामुदायिक सहभागिता के दृष्टिकोण से देखें।

क्या विदेशी फंडिंग के सहारे भारत की सामाजिक जड़ों पर हो रहा प्रहार?

यदि हम भारत का समग्र चिंतन करते हैं तो एक बात तय है कि भारत की पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता, स्थानीय परंपराओं और हजारों वर्षों से विकसित सामाजिक संरचना से बनती है। विशेष रूप से जनजातीय समाज अपनी विशिष्ट आस्था, जीवन शैली और सांस्कृतिक विरासत के कारण भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत में धर्मांतरण, यह विषय पिछले कुछ वर्षों में सामने आए अनेक प्रकरणों से कहीं अधिक व्यापक हो गया है। इसमें विदेशी फंडिंग, वैचारिक हस्तक्षेप, जनजातीय क्षेत्रों में बढ़ती सक्रियता और नक्सली नेटवर्क से संभावित संबंधों जैसे गंभीर आयाम भी जुड़ गए हैं। बेंगलुरु में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर दर्ज हालिया एफआईआर ने एकबार फिर इस पूरे मुद्दे को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया है। यदि हम भारत का समग्र चिंतन करते हैं तो एक बात तय है कि भारत की पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता, स्थानीय परंपराओं और हजारों वर्षों से विकसित सामाजिक संरचना से बनती है। विशेष रूप से जनजातीय समाज अपनी विशिष्ट आस्था, जीवन शैली और सांस्कृतिक विरासत के कारण भारतीय सभ्यता का अभिन्न अंग है। ऐसे समाजों में यदि बाहरी वैचारिक हस्तक्षेप योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है तो स्वाभाविक है कि उसका प्रभाव धार्मिक परिवर्तन तक सीमित नहीं रहता बल्कि सामाजिक संतुलन और सामुदायिक विश्वास पर भी पड़ता है। वस्तुतः बेंगलुरु में दर्ज एफआईआर ने इसी चिंता को नए सिरे से सामने रखा है। आरोप है कि अमेरिका स्थित संस्था 'द टिमोथी इनिशिएटिव' (टीटीआई) ने विदेशी धन के माध्यम से भारत में व्यापक नेटवर्क तैयार किया। जांच एजेंसियों के अनुसार लगभग 92 करोड़ रुपये से अधिक की राशि विदेशी डेबिट कार्डों के जरिए देश में लाई गई और उसका उपयोग धार्मिक प्रचार, प्रशिक्षण तथा संवेदनशील क्षेत्रों में वैचारिक प्रभाव बढ़ाने के लिए किया गया। इस मामले का सबसे चिंताजनक पहलू वह प्रशिक्षण सामग्री है, जिसके बारे में जांच एजेंसियों ने दावा किया है कि उसमें भारतीय धार्मिक परंपराओं और हिंदू देवी-देवताओं को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया। यदि किसी समुदाय की आस्था को कमजोर करके उसके स्थान पर नई वैचारिक पहचान स्थापित करने की रणनीति अपनाई जाती है तो यह स्वभाविक तौर पर सामाजिक मनोविज्ञान को प्रभावित करने का प्रयास है। अब यदि भारतीय संविधान के संदर्भ में इसे समझें तो हमारे लोकतांत्रिक समाज में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार महत्वपूर्ण है किंतु वह दूसरे समुदाय की आस्था को अपमानित करने या योजनाबद्ध ढंग से सामाजिक विभाजन पैदा करने का माध्यम नहीं बन सकता, इसके लिए पूरी तरह से मनाही है बल्कि कहें कि इसे अपराध तक घोषित कर रखा है। इसके बावजूद देखने में बार-बार यही आ रहा है कि चर्च पोषित संस्थाएं कन्वर्जन के खेल में लगी हुई हैं। उदाहरण स्वरूप आप इन बड़े मामलों को भी देख सकते हैं- भीमा कोरेगांव प्रकरण, फादर स्टेन स्वामी से जुड़े आरोप, झारखंड का पथलगड़ी आंदोलन और ओडिशा में स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती हत्याकांड जैसे मामले वस्तुतः अलग-अलग घटनाएं भले हों किंतु इन सभी ने समय-समय पर यह प्रश्न अवश्य खड़ा किया कि क्या कुछ क्षेत्रों में सामाजिक, धार्मिक और उग्रवादी नेटवर्क किसी स्तर पर एक-दूसरे के संपर्क में रहे हैं, आखिर इसके पीछे क्या कारण हो सकता है? विदेशी फंडिंग का प्रश्न भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। भारत में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) इसी उद्देश्य से बनाया गया कि विदेश से आने वाले धन का उपयोग पारदर्शी और घोषित उद्देश्यों के अनुरूप हो। यदि किसी संस्था द्वारा प्राप्त धन का उपयोग सामाजिक सेवा, शिक्षा या स्वास्थ्य के बजाय वैचारिक ध्रुवीकरण, अवैध धर्मांतरण या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए किया जाता है तो यह स्थिति कानून का उल्लंघन होने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय भी है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी आस्था मानने, उसका प्रचार करने और उसका पालन करने का अधिकार देता है। लेकिन यही संविधान सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और कानून के दायरे को भी समान रूप से महत्व देता है। इसलिए धार्मिक स्वतंत्रता और संगठित धर्मांतरण के बीच की सीमा को समझना आवश्यक है। यदि किसी व्यक्ति का धार्मिक परिवर्तन उसकी स्वतंत्र इच्छा से होता है तो वह संवैधानिक अधिकार है लेकिन यदि उसके पीछे आर्थिक प्रलोभन, सामाजिक दबाव, विदेशी वित्तपोषण या वैचारिक अभियान काम कर रहे हों तो वह निश्चित तौर पर सिर्फ धार्मिक स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं है, यह तो सीधे-सीधे एक देश की संपूर्ण सभ्यता और संस्कृति को ही बदल देना है! अब इस नजरिए से देखें तो आज बेंगलुरु से शुरू हुई यह नई जांच उस व्यापक बहस का हिस्सा है, जो लंबे समय से भारत में धर्मांतरण, विदेशी फंडिंग, जनजातीय समाज के धार्मिक, पांथिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्वरूप को पूरी तरह बदलने, वैचारिक नेटवर्क और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संबंधों को लेकर चल रही है। हालांकि यह भी तय है कि आने वाले समय में न्यायिक प्रक्रिया और जांच एजेंसियों की कार्रवाई इस मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट करेंगी, किंतु इतना जरूर लगता है कि भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र में सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े ऐसे प्रश्नों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। इस मामले में अच्छा यही होगा कि जितना शीघ्र हो सके, राष्ट्रीय स्तर पर कन्वर्जन के विरोध में सख्त कानून बने, ताकि भारत में धर्मांतरण रोकने की दिशा में सार्थक परिणाम सामने आएं।

उज्जैन यात्रा होगी अधूरी, अगर नहीं किए 84 महादेव के दर्शन

उ सर्दी का मौसम हो या गर्मी है, कुछ महिलाओं को घूमना बेहद पसंद होता है। वहीं महिलाएं अलग-अलग जगहों को एक्सप्लोर करती हैं। अगर आप भी इन्हीं महिलाओं में से एक हैं और आपको भी घूमना-फिरना काफी पसंद है। तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप कुल 84 महादेव के दर्शन कर सकते हैं और इस जगह का बेहद महत्व भी माना जाता है।

उज्जैन में मौजूद है 84 महादेव

उज्जैन को बाबा महाकाल की नगरी कहा जाता है। यहां पर हर कोई ज्योतिर्लिंग और काल भैरव के दर्शन के लिए जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपको उज्जैन में एक नहीं बल्कि 84 महादेव के दर्शन करने को मिल सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उज्जैन के सभी 84 महादेव के बारे में बताने जा रहे हैं।

उज्जैन के 84 महादेवों के नाम

वहीं 84 महादेवों में सबसे पहले अगस्तेश्वर महादेव आते हैं। फिर गुहेश्वर, डमरुकेश्वर महादेव, ढुंढेश्वर महादेव, स्वर्णजालेश्वर महादेव, त्रिविष्टपेश्वर महादेव, धारकेश्वर महादेव, दशमुखेश्वर महादेव, करभेश्वर महादेव, कंटकेश्वर महादेव, कंडुकेश्वर महादेव, सिंहेश्वर महादेव, प्रहादकेश्वर महादेव, राजेंद्रेश्वर महादेव, कोटिश्वर महादेव, विमलेश्वर महादेव, अंधकेश्वर महादेव, नीलकंठेश्वर महादेव, कपालमोचन महादेव, अनादि सिद्धेश्वर महादेव, अनादि कल्पेश्वर महादेव, शुक्रेष्वर महादेव, संगमेश्वर महादेव, हाटकेश्वर महादेव, मुकुटेश्वर महादेव, जटेश्वर महादेव, च्यवनेश्वर महादेव, अप्सरेश्वर महादेव, वरुणेश्वर महादेव, दशपुरेश्वर महादेव, नागचंद्रेश्वर महादेव, कुट्टुम्बेश्वर महादेव, महाकालेश्वर महादेव, जटाश्रृंगेश्वर महादेव, कर्कटेश्वर महादेव, घटकेश्वर महादेव, रामेश्वर महादेव, कलकलेश्वर महादेव, अर्धनारीश्वर महादेव, सौरीश्वर महादेव, कुबेरेश्वर महादेव और कुंटेश्वर महादेव।

आखिरी में लोमशेश्वर महादेव

लोकेश्वर महादेव, तिलभांडेश्वर महादेव, गर्गेश्वर महादेव, गोपेश्वर महादेव, नुकुलेश्वर महादेव, विश्वेश्वर महादेव, चंद्रेश्वर महादेव, यमेश्वर महादेव, इंद्रेश्वर महादेव, सागरेश्वर महादेव, प्रयागेश्वर महादेव, सिद्धेश्वर महादेव, मार्कंडेश्वर महादेव। गंगाधरेश्वर महादेव, वीरेश्वर महादेव, कुरुक्षेत्रेश्वर महादेव, नारदेश्वर महादेव, मातृकेश्वर महादेव, रुद्रेश्वर महादेव, दशरथेश्वर महादेव, रामेश्वर महादेव (द्वितीय), पवनकेश्वर महादेव, लकुलीश्वर महादेव, दुवार्सेश्वर महादेव, पिंगलेश्वर महादेव, कायावरोहणेश्वर महादेव, चिंतामणेश्वर महादेव, अर्केश्वर महादेव, विष्णुकेश्वर महादेव, आंगारकेश्वर महादेव, कुटिकेश्वर महादेव, समीश्वर महादेव, कपिलासंगमेश्वर महादेव, अमृतेश्वर महादेव, कर्णेश्वर महादेव, ऋणमुक्तेश्वर महादेव (कर्ज मुक्ति के लिए विशेष प्रसिद्ध), स्थावरेश्वर महादेव, ब्रह्मेश्वर महादेव, जलेश्वर महादेव, आनंदेश्वर महादेव, कंठेश्वर महादेव और अंत में लोमशेश्वर महादेव। बता दें कि यह सभी उज्जैन शहर और उसके आसपास 84 महादेव मंदिर मौजूद हैं।

टिप्स

युवाओं का मेंटल हेल्थ खतरे में! जानें क्यों बढ़ रहे हैं मेमोरी लोस और स्ट्रेस के गंभीर मामले

आजकल युवाओं में याददाश्त शक्ति धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। आज के यूथ में बुढ़ावे जैसी समस्याएं काफी देखने को मिल रही है, जैसे कि जोड़ों में दर्द, चीजों को भूलना और कमजोरी महसूस होना। 20-30 साल की उम्र के लोगों में भूलने की आदत हो चुकी है।

कई बार आपको भी ऑफिस का कोई भी काम आपको याद नहीं रहता होगा या घर का कोई भी जरुरी काम आप भूल ही जाते होंगे। अक्सर लोग बात करते-करते ही भूल जाते हैं कि वो क्या कहना चाहते थे। दरअसल, इन चीजों को आम मामूली समझकर जरा भी इग्नोर न करें।

युवाओं में क्यों बढ़ती जा रही है भूलने की आदत?

- ✔ आजकल लाइफस्टाइल से संबंधित कई फैक्टर्स के कारण युवाओं में मेमोरी से जुड़ी दिक्कते बढ़ती जा रही हैं। आज के लोगों में डिप्रेशन सबसे बड़ा जोखिम कारक बना हुआ है, जो ब्रेन हेल्थ, मेमोरी और मेंटल हेल्थ प्रभावित करता है।
- ✔ लंबे समय से तनाव में रहने के कारण और नींद की कमी के कारण हमारी मेंटल हेल्थ खराब हो जाती है। इस कारण से कुछ चीजों को याद रखने में मुश्किल होता है। अक्सर तनाव के कारण हमारे दिमाग में इतना प्रेशर हो जाता है कि वो और कामों को सही ढंग से याद नहीं कर पाता है।
- ✔ जिसके बाद दिमाग की जानकारी को इकट्ठा करने और याद करने की क्षमता कम होने लगती है। इसके साथ ही, हाई बीपी, डायबिटीज और खराब हार्ट हेल्थ का भी दिमाग के ब्लड फ्लो पर असर होता है और चीजों को याद रखने में मुश्किल होने लगती है। मानसिकदशाएं
- ✔ इसके अलावा, न्यूट्रिशन की कमी के कारण विटामिन बी 1 और बी 12 का लेवल कम होना, ज्यादा एल्कोहल का सेवन और स्मोकिंग भी नर्वस सिस्टम को कमजोर कर देता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

किसान सदस्यों को लाभांश राशि का भुगतान करने का निर्णय समिति की वार्षिक आम सभा में लिया

साहिबगंज : सदर प्रखंड के नाढ़ी दियारा दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की ओर अग्रसर है।समिति अपने किसान सदस्यों को वर्ष 2023 से 2025 तक की लाभांश राशि का भुगतान करने जा रही है।समिति के अनुसार,ऐसा करने वाली यह पूरे झारखंड की पहली पंजीकृत दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति होगी।लाभांश राशि के भुगतान के लिए सहकारिता पदाधिकारी द्वारा नियमानुसार बोनस बनाने की मंजूरी प्रदान की गई है।इसके बाद समिति के सचिव स्वराज कुमार ने भुगतान की आगे की प्रक्रिया के लिए को-ऑपरेटिव बैंक को आवेदन दिया है।किसान सदस्यों को लाभांश राशि का भुगतान करने का निर्णय समिति की वार्षिक आम सभा में लिया गया था।यह बैठक समिति के अध्यक्ष देवेश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित हुई थी,जिसमें नियमानुसार लाभांश भुगतान के प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया।समिति का यह प्रयास दुग्ध उत्पादन से जुड़े किसान सदस्यों को आर्थिक लाभ पहुंचाने और सहकारिता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।इससे किसानों में सहकारी समितियों के प्रति विश्वास बढ़ेगा और दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में कार्य कर रहे किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा।

मारपीट धमकी मामले में एसपी से लगाई गुहार

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र निवासी बारीक कुमार सिंह पिता- स्व इतवारी सिंह ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर कई लोगों पर मारपीट जान से मारने की धमकी तथा घर में आग लगाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

बिरसा कृषि रथ प्रखंड परिसर से गांवों के लिए रवाना

बरही : झारखंड सरकार कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की बिरसा कृषि रथ को बीडीओ जयपाल महतो एवं सीओ चंद्रशेखर कुणाल ने हरी झंडी दिखाकर प्रखंड परिसर से गांवों के लिए रवाना किया। बिरसा कृषि रथ में सवार कृषि वैज्ञानिक ग्रामीण किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी और विभिन्न कृषि एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। इसके साथ ही किसानों को दलहन, तिलहन की उन्नत खेती, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, वैकल्पिक एवं समेकित कृषि प्रणाली, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि यंत्रीकरण एवं मत्स्य पालन की जानकारी दी जाएगी। बीटीएम राकेश कुमार ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि करना और आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना है।

गौतम बुद्ध कॉलेज में विश्व जनसंख्या दिवस पर दो दिनी आंतरिक सेमिनार शुरू

हजारीबाग : गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग में शुक्रवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर दो दिवसीय आंतरिक सेमिनार शुक्रवार को शुरू हुआ। इसमें प्रशिक्षुओं ने लोगों की बढ़ती आबादी से उत्पन्न होनेवाली समस्याओं और जनसंख्या नियंत्रण के उपाय बताए। सेमिनार को दो सत्रों में विभाजित किया गया था। पहले चार टॉपिक पर बी.एड. सत्र 2025-27 और फिर इतने ही मुद्दों पर बी.एड. सत्र 2024-26 के प्रशिक्षुओं ने अपने विचार रखे। टॉपिक पर कुल पांच अंक निर्धारित थे। इसमें प्रशिक्षुओं का विषय पर कंटेंट और प्रेजेंटेशन की परख की गई।सेमिनार में वर्ल्ड पोपुलेशन डे : सिगनिफिकेंस एंड ग्लोबल पर्सपेक्टिव्स, पोपुलेशन ग्रोथ एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, पोपुलेशन एक्सप्लोजन : कॉजेज, कंसिक्वेंसेज एंड सोल्यूशंस, द इंपैक्ट आफ पोपुलेशन ग्रोथ आन एजुकेशन, रोल आफ टीचर्स इन पोपुलेशन एजुकेशन, पोपुलेशन एंड क्लाइमेट चेंज, पोपुलेशन प्रोवर्टी एंड डेवलपमेंट और वर्ल्ड पोपुलेशन डे 2026 : क्रियेटिंग अवेयरनेस फॉर अ सस्टेनेबल टुमोरो विषय पर प्रशिक्षुओं ने अपने विचार रखे। प्राचार्य डॉ बसुंधरा कुमारी के नेतृत्व में आयोजित इस सेमिनार का समापन शनिवार को शिक्षकों के वक्तव्यों के साथ होगा। सेमिनार हेड वर्षा कुमारी, प्रोग्राम इन-चार्ज सुष्मिता घोषाल, डॉ मीरा कुमारी, सुमन कुमारी, दीपिका कुमारी सिंह समेत सभी सहायक प्राध्यापकों ने कार्यक्रम संचालन में सहयोग किया।

केरेडारी अंचल परिसर में किया गया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

केरेडारी : जल ,जंगल, जमीन शिक्षा और भूमि अधिकार की रक्षा के लिए सामाजिक न्याय समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को केरेडारी अंचल परिसर में एकदिवसीय प्रदर्शन किया गया। इस आयोजित धरना-प्रदर्शन में हेंदेगीर, लोहरसा, बड़की मेड़ी, छोटकी मेडी, कोले, बुचाडीह, बुंडू, खपिया, बटुका, हफुआ, बराडीह, बन्हे, कारों, करमटांड़, मंडर सहित दर्जनों गांवों से हजारों की संख्या में ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सभा की अध्यक्षता समिति के संरक्षक दर्शन गंझू ने की। जबकि संचालन श्रीकुमार ने किया गया। इस धरना में समिति के संयोजक विकास कुमार महतो ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार है, न कि सरकार की कृपा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हेंदेगीर हाई स्कूल परिसर में संचालित पुलिस कैंप के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और विद्यालय में भय का माहौल बना हुआ है। उन्होंने मांग की कि पुलिस कैंप को तत्काल हटाकर विद्यालय को उच्च स्तर के लिए अपग्रेड किया जाए, ताकि आसपास के हजारों छात्र-छात्राएं शिक्षा से वंचित न हों।जल-जंगल-जमीन पर खतरे को लेकर कहा कि जल, जंगल और जमीन केवल संसाधन नहीं, बल्कि हमारे क्षेत्र की संस्कृति, पहचान और आजीविका का आधार हैं। उन्होंने बुंडू कोल ब्लॉक एवं पाताल ईस्ट कोल ब्लॉक में प्रस्तावित खनन पर गंभीर चिंता जताते कहा खनन से कोंती एवं मालादह जैसी नदियों के अस्तित्व, दामोदर नदी, जैव विविधता और हजारों ग्रामीणों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।वहीं आजादी बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. मिथिलेश कुमार दांगी ने कहा कि जिस प्रकार आज पानी बोतलों में बिक रहा है, उसी तरह अंधाधुंध जंगलों की कटाई से भविष्य में ऑक्सीजन को भी व्यापार की वस्तु बन सकती है। प्रत्येक पंचायत में विशेष शिविर लगाकर भूमि अभिलेखों की त्रुटियों का त्वरित सुधार हो। बाहरी लोगों के नाम पर हुई संदिग्ध भूमि बंदोबस्ती की उच्चस्तरीय जांच एवं निरस्तीकरण तथा किचटो एवं बचरा पंचायत को केरेडारी प्रखंड में शामिल करने की मांग की ।तत्पश्चात कोयला एवं पर्यावरण मंत्रालय, शिक्षा विभाग,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,केंद्र व राज्य सरकार के नाम 8 सूत्री मांग पत्र सीओ विपिन चंद्र विश्वास को हाथ ज्ञापन सौंपा गया।

बच्चों की सुरक्षा संरक्षण और प्रायोजन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, संरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने तथा बाल संरक्षण सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आज जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, साहेबगंज की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय में मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समितिक्षकिशोर न्याय बोर्ड के सदस्य, चाइल्ड हेल्पलाइन डीसीपीयू एवं रेलवे सामाजिक कार्यकर्ता बाल गृह जिला समन्वयक सी3 पीसीआई व अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। इस संदर्भ में बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने सभी संबंधित इकाइयों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक जरूरतमंद एवं पात्र बच्चे तक सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से पहुँचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन, साहिबगंज के कर्मियों को बरहरवा रेलवे स्टेशन पर नियमित रूप से ड्यूटी करते हुए बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण से जुड़े मामलों पर विशेष सतर्कता एवं निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा कि चाइल्ड हेल्पलाइन द्वारा बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले प्रत्येक मामले के साथ परामर्श काउंसलिंग पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न किया जाए।बैठक में चाइल्ड हेल्पलाइन के सभी कर्मियों को उनके कार्य, दायित्व एवं उत्तरदायित्वों की विस्तार से जानकारी देते हुए बच्चों के सर्वोत्तम हित को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते हुए संवेदनशीलता, तत्परता एवं मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। प्रायोजन योजना की समीक्षा के दौरान संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख साहिबगंज को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक पात्र बच्चों को योजना से जोड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसमें बताया गया कि प्रायोजन योजना की लाभ अवधि तीन वर्ष की होती है। इस योजना के प्रति आमजन में व्यापक जागरूकता फैलाने, पात्र बालक एवं बालिकाओं की पहचान कर आवश्यक दस्तावेज तैयार करने तथा बाल कल्याण समिति के माध्यम से उन्हें योजना का लाभ दिलाने हेतु विशेष अभियान चलाने पर बल दिया गया।इसके अतिरिक्त सभी चाइल्ड हेल्पलाइन कर्मियों सामाजिक कार्यकताओं, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बालक बाल गृह के संबंधित कर्मियों को अपने-अपने मामलों की विस्तृत केस स्टडी तैयार करने, अभिलेखों का नियमित एवं व्यवस्थित संधारण करने तथा प्रत्येक प्रकरण की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।अंत में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने कहा कि बाल संरक्षण केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी संबंधित विभाग एवं संस्थाएं आपसी समन्वय, संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें, ताकि जिले का कोई भी पात्र बच्चा संरक्षण, शिक्षा, पुनर्वास एवं सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मियों से बाल हित सर्वोपरि की भावना के साथ कार्य करते हुए बाल संरक्षण तंत्र को और अधिक सशक्त एवं जन-केंद्रित बनाने का आह्वान किया।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने विशेष शिविर के दूसरे दिन किया ग्राम सर्वेक्षण

संवाददाता

साहिबगंज : मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई1 व इकाई 2 द्वारा गोद लिए गए ग्राम सालबनी व भोटोटोला में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन व्यापक ग्राम सर्वेक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।सर्वेक्षण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए दोनों इकाइयों के स्वयंसेवियों को अलग-अलग टीमों में विभाजित किया गया। स्वयंसेवियों ने घर-घर जाकर लगभग 110 परिवारों का सर्वेक्षण किया तथा ग्रामीणों से उनकी समस्याओं आवश्यकताओं एवं स्थानीय मुद्दों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान स्वयंसेवियों ने स्वच्छता स्वास्थ्य शिक्षा पर्यावरण संरक्षण, सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सामाजिक जागरूकता से संबंधित विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक भी किया। जबकि एनएसएस की दोनों इकाइयों के लगभग 100 स्वयंसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ने घर में शौचालय , आयुष्मान कार्ड, श्रमिक कार्ड, वृध्दा पेंशन योजना, अबुआ आवास, मइया योजना, सड़क, बिजली, पानी आदि का जानकारियां हासिल किया।ग्रामवासियों ने स्वयंसेवियों के प्रयासों की सराहना करते हुए ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रमजान अली डॉ अमित कुमार के नेतृत्व कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने स्वयंसेवियों की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम सर्वेक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक समस्याओं को समझने तथा उनके समाधान के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने में सहायता मिलती है। उन्होंने स्वयंसेवियों से सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

मत्स्यजीवियों को मिलेगा जाल व नाव

संवाददाता

साहिबगंज : जिला मत्स्य कार्यालय की ओर से शुक्रवार को मत्स्य प्रशिक्षण केंद्र,कृषि फार्म के निकट राष्ट्रीय मत्स्य किसान मछुआरा दिवस का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व जिला मत्स्य पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार बिनहा ने किया।इसमें जिले की विभिन्न मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के सदस्य,मत्स्य पालक एवं किसान शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान विभाग की विभिन्न कल्याणकारी एवं स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी दी गई।मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के सदस्यों के बीच गिल नेट मछली पकड़ने का जाल व नाव वितरण योजना की जानकारी साझा की गई।साथ ही तालाबों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से मत्स्य अंगुलिकाओं फिंगरलिंग के संचयन योजना के बारे में भी लाभुकों को अवगत कराया गया।इसके अलावा फीड आधारित फिशरीज योजना के तहत 50 प्रतिशत अनुदान पर इनपुट सहित बायोफ्लॉक तालाब उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। विभाग ने बताया कि एक एकड़ तालाब वाले किसानों को मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए ₹1,875 प्रति इकाई की अनुदान राशि भी प्रदान की जाएगी।जिला मत्स्य पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार बिनहा ने कहा कि सरकार का उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से मत्स्य उत्पादन बढ़ाना,मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि करना तथा अधिक से अधिक किसानों को वैज्ञानिक मत्स्य पालन से जोड़ना है।उन्होंने पात्र लाभुकों से विभाग की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

आदर्श हत्याकांड के दो फरार आरोपियों की तलाश तेज

साहिबगंज : आदर्श हत्याकांड मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। अब तक इस मामले में छह आरोपी जेल में बंद है, जबकि दो नामजद आरोपी अब भी फरार हैं। दोनों की गिरफ्तारी को लेकर नगर थाना पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है।बताया जाता है कि पुलिस ने इस हत्याकांड को चुनौती के रूप में लेते हुए घटना के बाद से ही ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर दी थी घटना की रात ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि अगले दिन एक अन्य आरोपी को जमालपुर से दबोचा गया। इसके बाद पुलिस के बढ़ते दबाव के कारण तीन अन्य आरोपियों ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। अब पुलिस की नजर शेष दो फरार आरोपियों पर है।इसी क्रम में गुरुवार की देर शाम गुप्त सूचना के आधार पर नगर थाना पुलिस ने स्टेशन चौक पर करीब डेढ़ घंटे तक विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान आने-जाने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की गहन तलाशी ली गई और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई।

लोहरदगा में तैनात एएसआई मनोज गौड़ का निधन

साहिबगंज में राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

साहिबगंज : लोहरदगा जिला पुलिस बल में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक एएसआई मनोज गौड़ का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से पुलिस विभाग के साथ-साथ साहिबगंज में भी शोक की लहर दौड़ गई। निधन के उपरांत लोहरदगा पुलिस द्वारा पूरे सम्मान के साथ उनके पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव साहिबगंज शहर के पुरानी साहिबगंज स्थित आवास लाया गया पार्थिव शरीर के साहिबगंज पहुंचते ही पुलिस अधिकारियों, जवानों, परिजनों और स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। साहिबगंज पुलिस एसोसिएशन एवं जिला पुलिस बल की ओर से दिवंगत एएसआई को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए अंतिम सलामी दी गई। पुलिसकर्मियों ने नम आंखों से अपने साथी अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित एवं सरल स्वभाव को याद किया। अधिकारियों ने कहा कि मनोज गौड़ ने अपने पूरे सेवा काल में ईमानदारी, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ पुलिस विभाग की सेवा की, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा।श्रद्धांजलि सभा में पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष राम प्रसाद, सचिव सुनील शर्मा, मंटू कुमार सहित जिला बल के कई अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। अंतिम विदाई के दौरान पूरे माहौल में गम सम्मान और भावुकता का दृश्य देखने को मिला। पुलिस सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।जहां बड़ी संख्या में परिजन, शुभचिंतक और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

गोलीबारी मामले में भरत मंडल गिरफ्तार

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के चानन गांव में हुई गोलीबारी मामले के आरोपी भरत मंडल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि इस मामले में जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 122/26 दर्ज है। घटना के बाद पुलिस ने छापेमारी कर भरत मंडल को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले भी आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है।

आज का विद्यार्थी ही कल के भारत का निर्माता है : इन्द्रजीत

भाषण पेंटिंग, वाद-विवाद एवं आर्ट्स एंड क्राफ्ट प्रतियोगिताओं में चार सौ से अधिक विद्यार्थियों ने लिया भाग

संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विद्यार्थी सप्ताह के दूसरे दिन राजस्थान स्कूल, साहिबगंज में भाषण, पेंटिंग, वाद-विवाद (डिबेट) एवं आर्ट्स एंड क्राफ्ट प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं परिषद् गीत के साथ हुआ। इसके उपरांत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें 400 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक, बौद्धिक एवं कलात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा राष्ट्र एवं समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने की।इस अवसर पर मुख्य रूप से अभाविप झारखंड प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रजीत साह एवं प्रदेश छात्रा सह प्रमुख निधि सिंह उपस्थित रहीं।प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रजीत साह ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विद्यार्थी सप्ताह जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा को नई पहचान देने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध विकसित करने का कार्य करते हैं। आज का विद्यार्थी ही कल के भारत का निमार्ता है, इसलिए उसका संस्कारयुक्त और जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है।प्रदेश छात्रा सह प्रमुख निधि सिंह ने कहा कि छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलना आवश्यक है। एबीवीपी ऐसे आयोजनों के माध्यम से छात्राओं को आगे बढ़ने, आत्मनिर्भर बनने और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए निरंतर प्रेरित करती है।नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित ये प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का प्रभावी माध्यम हैं। एबीवीपी का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, सामाजिक चेतना राष्ट्रभक्ति और सकारात्मक नेतृत्व का विकास करना है। आने वाले दिनों में नगर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें।कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश साह, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, पायल कुमारी, दीपिका कुमारी, खुशबू कुमारी, अदिति, पूर्णव कुमार, अनमोल कुमार, विवेक कुमार, बादल कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

फिल्म 'ब्लू 52' को लेकर अभिनेत्री नेहा धूपिया ने की बात, बोलीं-

मेरे लिए हमेशा बहुत खास फिल्म रहेगी

बॉलीवुड

अभिनेत्री नेहा धूपिया की 'ब्लू 52' फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू हुआ है, जिसको 9 जुलाई को ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट साउथबैंक में आयोजित किया जाएगा। इस फिल्म से 17वें लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एलआईएफएफ) की ओपनिंग फिल्म होगी। इस फिल्म को लेकर उन्होंने बात की। अभिनेत्री नेहा धूपिया ने कहा, 'मशहूर बीएफआई साउथबैंक में हमारी फिल्म का यूरोपियन प्रीमियर होना पूरी टीम के लिए बहुत सम्मान की बात है। आदिल हुसैन और बाकी कलाकारों जैसे टैलेंटेड को-एक्टर्स के साथ इस पल को शेयर करना इसे और भी यादगार बनाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'लियोनेल मेसी जैसे दुनिया भर में पसंद किए जाने वाले व्यक्ति का इस फिल्म से जुड़ना इस प्रोजेक्ट के लिए इंटरनेशनल लेवल पर बहुत ज्यादा ध्यान खींचने वाला रहा है। मैं सच में लंदन में दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने और उन सभी लोगों के साथ इस सफर का जश्न मनाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, जो 'ब्लू 52' को बनाने में शामिल रहे हैं। लंदन में होने वाले इस शानदार प्रीमियर में अभिनेत्री नेहा धूपिया, मशहूर एक्टर आदिल हुसैन और फिल्म की पूरी कास्ट के साथ शामिल होगी। इस खास पल को लेकर नेहा ने कहा कि 'ब्लू 52' मेरे लिए हमेशा एक बहुत खास फिल्म रहेगी, क्योंकि यह मेरा पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट है, और लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित फेस्टिवल में इसकी ओपनिंग होते देखना किसी सपने जैसा लगता है। उन्होंने कहा, 'अभिनेत्री के तौर पर, हम हमेशा ऐसी कहानियां ढूंढते हैं जो हमें छू जाएं, हमें चुनौती दें और कैमरा बंद होने के बाद भी हमारे साथ बनी रहें, और इस फिल्म ने मेरे लिए बिल्कुल यही किया।

कंगना की 'क्वीन 2' पर लगा करोड़ों का जुर्माना

फैंटम स्टूडियोज और जियोस्टार के बीच बड़ा विवाद

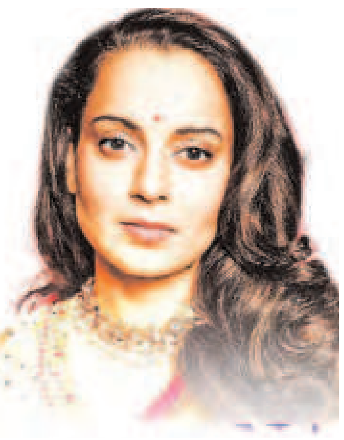

दरअसल, 2014 में आई सुपरहिट फिल्म 'क्वीन' को बनाने वाली कंपनी फैंटम स्टूडियोज ने जियोस्टार के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में केस किया है। उनका कहना है कि 'क्वीन 2' बिना उनकी अनुमति के बनाई जा रही है। फैंटम स्टूडियोज का दावा है कि जब 2014 में 'क्वीन' बनी थी, तब एक एग्रीमेंट हुआ था। इस एग्रीमेंट के अनुसार, अगर भविष्य में इस फिल्म का कोई सीक्वल या प्रीक्वल बनता है, तो दोनों पक्षों (फैंटम और जियोस्टार) का उस पर 50-50% हक होगा। लेकिन फैंटम का कहना है कि उन्हें 'क्वीन 2' बनाने के लिए कोई मंजूरी नहीं दी गई। इसलिए उन्होंने कोर्ट से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने और 250 करोड़ का जुर्माना मांगने की अपील की है। फैंटम ने यह भी कहा कि पिछले साल मई से वे लगातार जियोस्टार से संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। जियोस्टार के मुताबिक, यह एक पूरी तरह नई और अलग कहानी है, जिसका 2014 की फिल्म 'क्वीन' से कोई लेना-देना नहीं है- न कहानी में, न किरदारों में। उन्होंने यह भी कहा कि 'क्वीन' एक आम अंग्रेजी शब्द है और इस पर किसी का एक्सक्लूसिव हक नहीं हो सकता।

तलाक के बाद

क्या दोबारा शादी करेंगी आकांक्षा चमोला?

एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला अपने पति और को-एक्टर गौरव खन्ना से तलाक लेने जा रही हैं। इस बीच वह अपने रिश्ते के बारे में कई बातें बता रही हैं। उनकी बातें आए दिन सुर्खियां बनती हैं। ऐसे में आकांक्षा ने तलाक के बाद के प्लान के बारे में बताया है। आइए जानते हैं कि क्या वह तलाक के बाद दोबारा शादी करेंगी? नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहे शो 'लॉक अप 2' की प्रतियोगी आकांक्षा ने हाल ही में शो के एक एपिसोड में कहा कि उनका दोबारा शादी करने का कोई इरादा नहीं है। अपनी साथी कंटेस्टेंट पामेला के साथ बातचीत के दौरान, आकांक्षा ने कम उम्र में शादी करने के अपने फैसले के बारे में बात की और कहा, 'मैंने बहुत कम उम्र में शादी कर ली थी। मैं 24 साल की थी जब मेरी शादी हुई थी।' जब पामेला ने उन्हें दिलासा देते हुए कहा 'तुम अभी भी जवान हो, तुम्हें कोई न कोई मिल ही जाएगा।' तो आकांक्षा ने साफ कर दिया कि वह शादी के ख्याल से आगे बढ़ चुकी हैं।

मैं न्यूयॉर्क का बस एक किस्मत वाला बच्चा हूं

हॉलीवुड स्टार विन डीजल ने न्यूयॉर्क के एक शरारती बच्चे से लेकर स्क्रीन पर एक मशहूर डिटेक्टिव का किरदार निभाने तक के अपने सफर को याद किया और खुद को 'न्यूयॉर्क का बस एक किस्मत वाला बच्चा' बताया। 58 साल के एक्टर, जिनका असली नाम मार्क सिंक्लेयर विंसेंट है, ने फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने अपने बचपन की यादों के बारे में बात की और उस मशहूर किरदार के लिए अपने प्यार को जगाने का श्रेय अपनी स्वर्गीय दादी को दिया। 1990 के दशक के आखिर में मशहूर हुए और 1998 में स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्म 'सेविंग प्राइवेट रायन' में काम करके पहचान बनाने वाले इस एक्टर ने 4 जुलाई के जश्न की आतिशबाजी और अपनी शूटिंग के कुछ बीटीएस (बिहाइंड-द-सीन्स) पल भी शेयर किए। उन्होंने कैप्शन में लिखा, '4 जुलाई, इस देश ने अपनी 200वीं सालगिरह मनाई थी... मैं पीएस 41 का बच्चा था। कैनाल या मॉट से एम80 पटाखे खरीदकर 'लिटिल इटली' के रास्ते घर तक तस्करी करके लाता था, जैसे कोई गैर-कानूनी सामान ले जा रहा हूं। बड़ों को तो बस यही लगता था कि मैं अपनी बनाना-सीट वाली बाइक पर शहर में तोड़-फोड़ कर रहा हूं। ' उन्होंने कहा, 'आगे चलकर फिल्में बनाने वाले बच्चे के लिए यह एक मजेदार कहानी है–मेरी पहली ब्लॉकबस्टर फिल्में फुटपाथ पर शुरू हुई और उनका एकमात्र रिव्यू यह होता था कि आप कितनी तेजी से भाग सकते हैं।

नुसरत भरूचा का मजेदार पोस्ट हुआ वायरल

वर्क फ्रॉम होम के दौरान ध्यान भटकना आजकल लगभग हर किसी की कहानी बन चुकी है। लेकिन अभिनेत्री नुसरत भरूचा के लिए इसकी वजह कोई सोशल मीडिया या फोन नहीं, बल्कि मानसून का खूबसूरत नज़ारा है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने घर पर वर्कआउट करते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिनमें उनकी फिटनेस के साथ-साथ बारिश से सराबोर खूबसूरत माहौल ने भी सबका ध्यान खींच लिया। तस्वीरों में नुसरत व्हाइट स्पोर्ट्स टॉप, ब्राइट रेड शॉर्ट्स और मैचिंग स्नीकर्स पहने नजर आ रही हैं। वह डंबल्स के साथ एक्सरसाइज, स्क्वैट्स और स्ट्रेचिंग करती दिखाई दे रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में वह अपनी बालकनी में खड़े होकर बारिश के मनमोहक नज़ारे का आनंद लेती भी नज़र आ रही हैं। वैसे घर पर रहकर फिटनेस को प्राथमिकता देने के साथ उन्होंने एक बार फिर हेल्दी लाइफस्टाइल की झलक दिखाई है। हालांकि, इस पोस्ट की सबसे खास बात उसका कैप्शन है। मानसून के खूबसूरत मौसम और हरियाली से घिरे नज़ारों के बीच नुसरत ने मजाकिया अंदाज में लिखा, 'उन्होंने कहा था, वर्क फ्रॉम होम' उनका यह कैप्शन साफ तौर पर इशारा करता है कि ऐसे सुहाने मौसम में काम पर ध्यान केंद्रित करना कितना मुश्किल हो जाता है। पोस्ट में बालकनी से दिखता हराभरा नज़ारा, बादलों से घिरा आसमान और शांत वातावरण मानसून की खूबसूरती को और भी खास बना रहा है। यही वजह है कि नुसरत का यह पोस्ट उन लोगों से भी जुड़ गया जो घर से काम करते हुए अक्सर बारिश के मौसम में खिड़की या बालकनी की ओर खिंचे चले जाते हैं। नुसरत भरूचा अपने सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की झलकियां साझा करती रहती हैं। कभी फिटनेस, कभी फैशन, कभी ट्रैवल तो कभी पर्दे के पीछे के खास पलों से सजे उनके पोस्ट फैंस को काफी पसंद आते हैं। इस बार भी उनका यह हल्का-फुल्का और रिलेटेबल पोस्ट सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रहा है और याद दिला रहा है कि कभी-कभी काम के बीच कुछ पल प्रकृति का आनंद लेना भी जरूरी होता है।

डायमंड लीग 2026: सर्वेश कुशारे ने डेब्यू में जीता कांस्य, मोनाको में तीसरे स्थान पर रहे

मोनाको : भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे ने डायमंड लीग में अपने पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। मोनाको में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुशारे ने 2.26 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पोडियम पर जगह बनाई। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक यूक्रेन के ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की छलांग के साथ जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के किमानी जैक ने 2.30 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि सर्वेश अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2.31 मीटर की बराबरी नहीं कर सके। उन्होंने यह रिकॉर्ड हाल ही में भुवनेश्वर में आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। उस दौरान उन्होंने तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था। डायमंड लीग से पहले सर्वेश और किमानी जैक दोनों का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.31 मीटर था, जो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले 10 खिलाड़ियों में संयुक्त रूप से सबसे बेहतर था।

फीफा विश्व कप: मेरिनो के आखिरी मिनट के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में, बेल्जियम को 2-1 से हराया

लॉस एंजिलिस : सुपर सब मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे नॉकआउट मुकाबले में अंतिम क्षणों में गोल दागकर स्पेन को फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हराया और अब उसका सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा। आर्सेनल के मिडफील्डर मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर उतरे और केवल दो मिनट बाद ही निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिला दी। बेल्जियम के स्थानापन्न गोलकीपर सेन्ने लैमेंस ने पाउ क्यूबार्सी के शॉट को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे मेरिनो के पास पहुंची और उन्होंने कोई गलती नहीं की। इससे पहले राउंड ऑफ-16 में भी मेरिनो ने पुर्तगाल के खिलाफ 91वें मिनट में विजयी गोल कर स्पेन को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था।

मैच के बाद मेरिनो ने कहा, ₹मेरे पास शब्द नहीं हैं। एक बार ऐसा होना ही अविश्वसनीय था, लेकिन लगातार दूसरी बार ऐसा होना और भी खास है। यह किस्मत नहीं, बल्कि तैयारी का नतीजा है। जब मैं मैदान पर उतरता हूं तो हमेशा टीम की मदद करने के लिए तैयार रहता हूं। मेरे साथी लगातार कह रहे थे कि मैं फिर गोल करूंगा। मैं हमेशा टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा, ₹किसी बड़े टूनामेंट में स्पेन के लिए यह मेरा तीसरा मैच विजयी गोल है। पिछले यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में भी मैंने जर्मनी के खिलाफ 119वें मिनट में गोल किया था। अभी विश्व कप जीतने के लिए हमारे पास दो और मैच हैं और उम्मीद है कि हम यह सपना पूरा करेंगे। अपने परिवार के साथ इन पलों को जीना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। स्पेन के मुख्य कोच लुइस डी ला फुएंते ने मेरिनो की जमकर तारीफ करते हुए कहा, ₹मिकेल अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। उनके पास कई शानदार गुण हैं और वह किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। जब भी हमें उनकी जरूरत होती है, वह हमेशा टीम के लिए खड़े रहते हैं। स्पेन ने पहला गोल फाबियान रुइज के जरिए किया था, लेकिन बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने हाफ टाइम से पहले बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ में बेल्जियम ने स्पेन के लगातार हमलों का मजबूती से सामना किया, लेकिन अंत में मेरिनो ने जीत दिला दी।

अब स्पेन का सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा। दोनों टीमों की पिछली दो बड़ी भिड़ंतों में स्पेन ने जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले पर कोच डी ला फुएंते ने कहा, ₹दो शानदार टीमें आमने-सामने होंगी। दोनों एक-दूसरे से सावधान रहेंगी। हमने उन्हें लगातार दो बार हराया है और इस बार भी उन्हें बाहर करने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे।

गोरखपुर व कुशीनगर को 1283 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे मुख्यमंत्री

- कुशीनगर में लोकार्पण और शिलान्यास के कार्यों से तीन विधानसभा क्षेत्र के लोगों को होगा लाभ
- गोरखपुर में सीएम योगी के हाथों जनता को समर्पित होगी करीब 690 करोड रुपये की लागत वाली भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क

एजेंसी

गोरखपुर : शुक्रवार को गोरखपुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को गोरखपुर और कुशीनगर जिले को 1283 करोड रुपये की सौगात देंगे। वह कुशीनगर में 525 करोड़ रुपये की लागत वाली 464 और गोरखपुर में करीब 758 करोड़ रुपये की 24 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन करने के बाद पूर्वाह्न कुशीनगर जिले का दौरा करेंगे। वह टेकुआटार में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में तीन विधानसभा क्षेत्रों रामकोला, हाटा और कुशीनगर के लिए सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई से जुड़ी 525 करोड़ रुपये की 464 परियोजनाओं का उपहार देंगे। लोकार्पण और शिलान्यास समारोह के लिए दुल्हिन जगरनाथ कुंवरी इंटर कॉलेज परिसर में बने मंच से मुख्यमंत्री जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वह कार्यक्रम स्थल के पास विकास प्रदर्शनी का भी निरीक्षण करेंगे। शनिवार को ही दोपहर बाद सीएम योगी गोरखपुर के पिपराइच विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत भटहट-बांसस्थान में फोरलेन सड़क सहित 758 करोड़ रुपये के 24 विकास कार्यों की सौगात देंगे। वह भटहट-बासंस्थान फोरलेन सड़क समेत 697 करोड़ 49 हजार रुपये की लागत वाली 5 सड़कों का लोकार्पण और सड़क निर्माण एवं पर्यटन से संबंधित 60 करोड़ 63 लाख 96 हजार रुपये की लागत वाले 19 विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे। लोकार्पण और शिलान्यास के ये सभी कार्य पिपराइच विधानसभा क्षेत्र के दायरे में आते हैं। मुख्यमंत्री जिन सड़कों का लोकार्पण करेंगे, उनमें सबसे महत्वपूर्ण भटहट-बांसस्थान फोरलेन मार्ग है। 11.6 किमी लंबे इस मार्ग के फोरलेन में चौड़ीकृत होने जाने से न केवल एक बड़ी आबादी के लिए आवागमन सुगमता बढ़ी है बल्कि इसका फायदा आयुष विश्वविद्यालय जाने वालों को भी मिल रहा है। फोरलेन कनेक्टिविटी हो जाने से प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय में आयुष पद्धतियों से इलाज कराने वालों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। शिलान्यास की परियोजनाएं सड़क और पर्यटन विकास पर केंद्रित हैं।

आयुष विवि का निरीक्षण करेंगे मुख्यमंत्री

शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य के पहले, महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय का भी निरीक्षण करेंगे। उनके द्वारा आयुष विश्वविद्यालय में पुरुष व महिला छात्रवास का लोकार्पण भी संभावित है। पुरुष छात्रावास का नामकरण ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में किया गया है, जबकि महिला छात्रावास का नाम राप्ती रखा गया है। उल्लेखनीय है कि आयुष विश्वविद्यालय, सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है। उन्होंने इस विश्वविद्यालय का शिलान्यास 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों और लोकार्पण 1 जुलाई 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कर कमलों से कराया था।

गोरखपुर में पौधरोपण महायज्ञ में सम्मिलित होंगे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार 12 जुलाई को गोरखपुर में, प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ में सम्मिलित होंगे। वह गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस के किनारे ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत पौधा लगाएंगे और जनसभा कर प्रदेशवासियों को पौधरोपण महायज्ञ में जिम्मेदारीपूर्वक हिस्सेदारी करने का आह्वान करेंगे। इस महाभियान के जरिये प्रदेश सरकार ने इस बार 35 करोड़ पौधरोपण करने का लक्ष्य तय किया है। यह जानकारी सूचना विभाग द्वारा जारी की गई है।

वेनेजुएला में आए दो भूकंपों से मरने वालों की संख्या पहुंची 4,000 के पार

एजेंसी

काराकास : वेनेजुएला में 24 जून को आए विनाशकारी 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंप के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 4,118 हो गई है, जबकि 16,740 से अधिक लोग घायल हुए हैं। देशभर में हजारों लोग बेघर हो गए हैं और राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। तुर्किए की समाचार एजेंसी अनाडोलू व अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 86,794 प्रभावित परिवारों को सहायता पहुंचाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बचाव दलों ने 6,462 लोगों को सुरक्षित निकाला है।

भूकंप से 856 इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जबकि 190 इमारतें पूरी तरह ढह गई हैं। राहत कार्यों के तहत अधिकारियों ने 9,766 मीट्रिक टन खाद्य सामग्री और 1.39 करोड़ लीटर से अधिक पेयजल वितरित किया है। साथ ही 29,966 लोगों को चिकित्सीय सहायता प्रदान की गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित तटीय इलाके ला गुएरा में 800 से ज्यादा इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं, जबकि 190 इमारतें पूरी तरह ढह गईं।

इस बीच, संयुक्त राष्ट्र वेनेजुएला के लिए राहत और पुनर्निर्माण के लिए लगभग 300 मिलियन डॉलर का फंड जुटा रहा है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) की प्रवक्ता जूली कोजैक ने कहा कि दक्षिण अमेरिकी देश अपनी वित्तीय संपत्ति को अनलॉक करने के लिए आईएमएफ के साथ भी बातचीत कर रहा है। वहीं, राहत एवं बचाव अभियान में 30,076 सरकारी कर्मचारी, 29,843 स्वयंसेवक और 3,454 अंतरराष्ट्रीय बचावकर्मी जुटे हुए हैं। बेघर हुए लोगों के लिए 89 अस्थायी राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, शुरूआती भूकंपों के बाद अब तक 1,171 आफ्टरशॉक दर्ज किए जा चुके हैं। 24 जून को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंपों के बीच महज 39 सेकंड का अंतर था, जिससे व्यापक तबाही हुई। इसके बाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता अभियान शुरू किया गया।

बांकीपुर उपचुनाव : भाजपा उम्मीदवार नीरज सिन्हा ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

पटना : पटना की बांकीपुर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा ने शनिवार सुबह पटना स्थित लोकसेवक आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात की और आगामी उपचुनाव के लिए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नीरज कुमार सिन्हा को बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए शुभकामनाएं देते हुए अग्रिम बधाई दी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि भाजपा कार्यकताओं की मेहनत और जनता के समर्थन से पार्टी इस सीट पर शानदार प्रदर्शन करेगी। बैठक के दौरान बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति, चुनावी रणनीति, संगठन की तैयारियों और जनसंपर्क अभियान को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। भाजपा नेतृत्व ने चुनाव प्रचार को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने और प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नीरज कुमार सिन्हा से कहा कि चुनाव केवल एक सीट जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को और मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने प्रत्याशी को जनता के बीच लगातार रहने, उनकी समस्याओं को सुनने और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की सलाह दी।

मेरी हत्या की कोशिश हुई तो ईरान को मिलेगा करारा जवाब : ट्रंप

एजेंसी

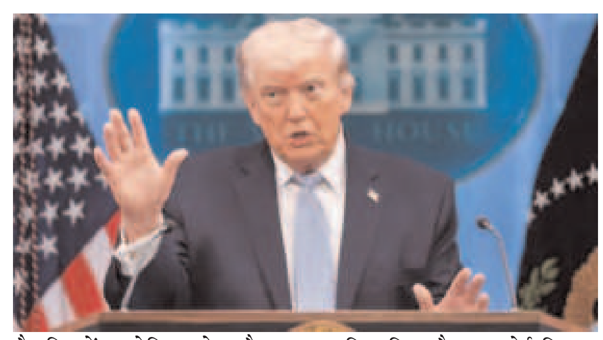

वॉशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनकी हत्या की कोशिश की जाती है, तो अमेरिका इसका सख्त जवाब देगा। ट्रंप ने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जारी एक पोस्ट में दिया। रूस की अंतरराष्ट्रीय टीवी नेटवर्क रूस टुडे (आरटी) के मुताबिक ट्रंप ने दावा किया कि यदि ईरान उनकी हत्या या हत्या के प्रयास जैसी किसी कार्रवाई को अंजाम देता है, तो अमेरिकी सेना को पहले से ही आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसी किसी भी स्थिति में निर्णायक सैन्य कार्रवाई करने के लिए तैयार है। ट्रंप ने शुक्रवार को 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि ह्यइस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान पर 1000 मिसाइलें लॉक और लोड करके तैनात की गई हैं और हजारों और मिसाइलें तुरंत दागी जा सकती हैं, अगर ईरानी सरकार दुनिया भर में कई जगहों पर दी गई अपनी उस धमकी पर अमल करती है जिसमें अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति - यानी मैं! - की हत्या या हत्या की कोशिश करने की बात कही गई है।ह्न हालांकि, उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। इस बीच, ईरानी अधिकारियों की ओर से ट्रंप की हत्या की किसी आधिकारिक धमकी की पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि, हाल के दिनों में ईरान में आयोजित कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान ट्रंप विरोधी नारे और पोस्टर देखे जाने की मीडिया रिपोर्टें सामने आई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने अमेरिका को ट्रंप के खिलाफ कथित संभावित खतरे को लेकर आगाह किया था। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। गौरतलब है कि, हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ा है। क्षेत्रीय सुरक्षा, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों को लेकर दोनों देशों के बीच बयानबाजी भी तेज हो गई है। दूसरी ओर, अमेरिका और इजराइल ने अपने बमबारी अभियान के दौरान ईरान के दर्जनों वरिष्ठ अधिकारियों और सैन्य कमांडरों को मार गिराया, जिनमें देश के लंबे समय से सर्वोच्च नेता रहे अली खामेनेई भी शामिल थे, जो 28 फरवरी को तेहरान में अपने परिसर पर हुए एक लक्षित हमले में मारे गए थे।

कोलाघाट में 23 किलोग्राम गांजा बरामद, तीन महिलाओं सहित चार गिरफ्तार

मेदिनीपुर : ओडिशा से कोलकाता गांजा तस्करी के एक बड़े प्रयास को पूर्व मेदिनीपुर जिले की कोलाघाट थाना पुलिस ने विफल कर दिया। शुक्रवार देर रात पुलिस ने कोलाघाट के शरत सेतु के निकट एक यात्री बस में छापेमारी कर लगभग 23 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस मामले में तीन महिलाओं सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ओडिशा से कोलकाता की ओर एक बस के माध्यम से गांजा तस्करी किए जाने की गुप्त सूचना पहले ही प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर कोलाघाट थाना पुलिस ने अपने टीम के साथ शरत सेतु के समीप निगरानी बढ़ा दी और संदिग्ध वाहनों की जांच प्रारंभ कर दी। निर्धारित बस के कोलाघाट पहुंचते ही पुलिस की टीम ने उसे घेर लिया तथा सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान बस से लगभग 23 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद गांजा तस्करी में संलिप्तता के संदेह में एक पुरुष और तीन महिलाओं को हिरासत में लिया गया। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि तस्करी के इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा बरामद गांजा कोलकाता में किसे पहुंचाया जाना था। पुलिस का मानना है कि इसके पीछे अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह सक्रिय हो सकता है। गिरफ्तार आरोपितों को आगे न्यायालय में प्रस्तुत कर पुलिस हिरासत की मांग की जाएगी, ताकि तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचा जा सके।

मप्र: मुख्यमंत्री आज इंदौर में माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026 का करेंगे शुभारंभ

- प्रदेश के 5 हजार युवा होंगे शामिल, क्रांति और ज्ञान के संगम का साक्षी बनेगा इंदौर

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026 का शुभारंभ करेंगे। कॉन्क्लेव में शिक्षा, खेल, उद्यमिता, कृषि, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, संस्कृति, पर्यावरण तथा सामाजिक विकास सहित 10 प्रमुख क्षेत्रों के लगभग पांच हजार युवा सहभागिता करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस महाआयोजन का उद्देश्य युवा शक्ति को प्रदेश के विकास की मुख्यधारा से जोड़ना, उनके विचारों को नीति निर्माण में शामिल करना तथा विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। कॉन्क्लेव की विशेषता क्रांति और ज्ञान के संगम का प्रतीक दो प्रेरक रैलियां होंगी।

उन्होंने बताया कि अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जन्मस्थली चन्द्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) से प्रारंभ हुई आजाद युवा बाइक रैली तथा आदि शंकराचार्य की दीक्षा भूमि ओंकारेश्वर से प्रारंभ हुई शंकर संकल्प साइकिल यात्रा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुंचकर एक साथ अपने गंतव्य पर पहुंचेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोनों रैलियों के प्रतिभागियों का स्वागत एवं सम्मान करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, कॉन्क्लेव में युवाओं को विभिन्न विषयगत समूहों में विभाजित कर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यशालाओं में युवा स्वयं अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े सुझावों, नवाचारों और भावी कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श कर क्रियान्वयन योग्य संकल्प तैयार करेंगे। कार्यशालाओं में शिक्षा एवं कौशल विकास, खेल एवं स्वास्थ्य, एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप, कृषि-उद्यानिकी एवं पर्यावरण तथा जन अभियान, संस्कृति एवं पर्यटन जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा होगी। प्रत्येक समूह द्वारा तैयार किए गए संकल्पों की प्रस्तुति मुख्य मंच से की जाएगी।

कॉन्क्लेव में प्राप्त सभी सुझावों एवं संकल्पों का समेकन कर 'मध्य प्रदेश युवा संकल्प-2026' दस्तावेज तैयार किया जाएगा। उपस्थित युवा सामूहिक रूप से प्रदेश के विकास, नवाचार, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेंगे। यह संकल्प दस्तावेज मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपा जाएगा तथा आगे आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया जाएगा। कॉन्क्लेव में इंदौर की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर आधारित फूड स्ट्रीट का संचालन स्थानीय युवा उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जाएगा। वहीं स्थानीय युवा बैंड एवं लोक-फ्यूजन कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां इस आयोजन का आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चार नई राज्य स्तरीय युवा पुरस्कार श्रेणियों की घोषणा भी करेंगे। इनमें मुख्यमंत्री युवा शिखर सम्मान, मुख्यमंत्री युवा नवाचार पुरस्कार, मुख्यमंत्री युवा समाज सेवा पुरस्कार तथा मुख्यमंत्री युवा कला-क्रीड़ा गौरव पुरस्कार शामिल हैं। इन पुरस्कारों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने ली बैठक

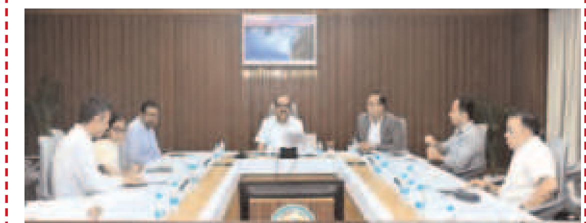

रायपुर : मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में शुक्रवार देर शाम मंत्रालय महानदी भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।
बैठक में बताया गया कि राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन सुबह 9 बजे से होगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई।
स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर शानदार परेड का आयोजन होगा। समारोह स्थल पर परेड कार्यक्रम में भाग लेने वाली टुकड़ियों के निर्धारण एवं रिहर्सल के लिए पुलिस उप महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वारा पुलिस महानिदेशक के मार्ग दर्शन में सभी आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्था की जाएगी। साथ ही यातायात, पार्किंग,ट्रैफिक एवं सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस महानिरीक्षक रायपुर द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई की व्यवस्था तथा मंच, पंडाल व्यवस्था और बैठक व्यवस्था का निर्धारण आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के द्वारा की जाएगी। स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों का निर्धारण स्कूल शिक्षा विभाग तथा संस्कृति विभाग द्वारा किया जाएगा। स्कूली बच्चों को सांस्कृतिक कार्यक्रम के रिहर्सल कार्यक्रम में सभी व्यवस्थाओं कलेक्टर रायपुर द्वारा की जायेंगी। इसी तरह से जिला एवं तहसील स्तर पर आयोजित किए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों के निर्धारण के संबंध में शीघ्र ही निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर 7 से 15 अगस्त तक सभी शासकीय कार्यक्रमों में वंदे मातरम् का गायन किया जाएगा। इसके लिए संस्कृति विभाग दिशा-निर्देश जारी करेगा। बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव रजत कुमार, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, कलेक्टर रायपुर गौरव कुमार सिंह, गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीशों और संवैधानिक पदाधिकारियों की संपत्ति जांच पर रोक लगाई

काठमांडू : नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने पूर्व न्यायाधीशों और संवैधानिक पदाधिकारियों के संपत्ति की जांच पर अंतरिम रोक लगा दिया है। कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीशों और संवैधानिक पदाधिकारियों को उनकी संपत्ति विवरण सौंपने के लिए मजबूर न करने का अंतरिम आदेश संपत्ति जांच आयोग के नाम जारी किया है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश टेकप्रसाद ढुंगाना और श्रीकांत पौडेल की पीठ ने आदेश दिया है कि जिन व्यक्तियों पर संविधान की धारा 239 आकर्षित होती है, उनकी संपत्ति के विवरण को यथास्थिति में रखा जाए। अदालत ने आयोग के गठन के संवैधानिक औचित्य और उसके अधिकार क्षेत्र पर तीन गंभीर सवाल उठाते हुए इस मामले को पूर्ण पीठ (फुल बेंच) के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व न्यायाधीशों सहित उन सभी संवैधानिक पदाधिकारियों को संपत्ति का विवरण देने के लिए मजबूर न करने का अंतरिम आदेश दिया है, जिन्हें केवल महाभियोग के माध्यम से ही पद से हटाया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि ₹जब तक पूर्ण पीठ द्वारा अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक किसी को भी संपत्ति का विवरण पेश करने के लिए मजबूर न किया जाए।₹ इसके साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया है कि उनके द्वारा अब तक पेश किए गए संपत्ति के विवरण की जांच किए बिना उसे यथास्थिति में रखा जाए और किसी के भी खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश न की जाए। यह आदेश पदाधिकारियों और सैन्य अधिकारियों के अलावा अन्य लोगों पर संपत्ति की जांच करने से नहीं रोकेगा। आयोग ने जुलाई मध्य तक संपत्ति का विवरण सौंपने की सूचना जारी की है, जिसके बाद संपत्ति की जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। उच्चतम न्यायालय ने यह निष्कर्ष निकाला है कि इनमें गंभीर और जटिल संवैधानिक तथा कानूनी प्रश्न शामिल हैं। अब गठित होने वाली पूर्ण पीठ इन सवालों पर ध्यान केंद्रित करेगी और न्यायिक व्याख्या के साथ-साथ संपत्ति जांच आयोग के गठन के औचित्य और उसके अधिकार क्षेत्र पर फैसला सुनाएगी। आमतौर पर उच्चतम न्यायालय में पूर्ण पीठ में तीन न्यायाधीश होते हैं। यदि पूर्ण पीठ को भी लगता है कि इसमें और अधिक गंभीर या संवैधानिक व्याख्या की आवश्यकता है, तो इस मामले को पांच या उससे अधिक न्यायाधीशों की वृहद पूर्ण पीठ के समक्ष पेश किया जाएगा।

हिमाचल में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित, सांगला का वैली ब्रिज ढहा, शिमला में कई जगह भूस्खलन

शिमला : पिछले दो दिन से हिमाचल प्रदेश के मध्यवर्ती और पर्वतीय इलाकों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। शिमला, सिरमौर, सोलन और किन्नौर जिलों में भारी वर्षा के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है और संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। पूरे प्रदेश में 200 से अधिक सड़कें बंद हैं। इससे कई इलाकों का संपर्क प्रभावित हुआ है। नदी-नालों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बीते 24 घंटों में सबसे अधिक 158.9 मिमी वर्षा सिरमौर के नाहन में दर्ज की गई। इसके अलावा सोलन में 80.2 मिमी, कांगड़ा के नगरोटा सूरियां में 62.5 मिमी, गुलेर में 56.3 मिमी, सिरमौर के धौलाकुआं में 55.5 मिमी, शिमला के नारकंडा में 54.5 मिमी, कुफरी में 50.8 मिमी, कुल्लू के सैंज में 48 मिमी, शिमला शहर में 37.5 मिमी और मशोबरा में 36.5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने 14 जुलाई तक भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार को शिमला, चम्बा, कुल्लू और सिरमौर में भारी वर्षा, जबकि मंडी, किन्नौर और कांगड़ा में मध्यम से तेज वर्षा की चेतावनी दी गई है। किन्नौर जिले के कल्पा उपमंडल के सांगला में भारी बारिश के कारण जमीन धंसने से वैली ब्रिज शुक्रवार को हवा में लटक गया था। बीती रात पुल पूरी तरह ढह गया। पुल टूटने से क्षेत्र की आवाजाही प्रभावित हुई है और प्रशासन हालात पर नजर रखे हुए है। राजधानी शिमला में भी लगातार बारिश से कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ। कसुम्पटी थाना क्षेत्र के राजहाना में पहाड़ी से भारी मात्रा में चट्टानें, पत्थर और मलबा सड़क पर आ गिरा। वहां खड़े दो वाहन मलबे में दब गए और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। संजौली कॉलेज के समीप बोथवेल क्षेत्र में शनिवार तड़के करीब चार बजे फिर भारी भूस्खलन हुआ। सड़क का हिस्सा धंसकर नीचे बने रिहायशी मकानों की ओर आ गया और मकानों तक जाने वाला रास्ता भी टूट गया। स्थानीय लोगों के अनुसार तीन से चार इमारतें खतरे की जद में हैं। पुलिस ने एहतियात के तौर पर लोगों को मकान खाली करने की सलाह दी है। प्रभावित परिवारों का कहना है कि उनके पास रहने के लिए दूसरी जगह नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निजी निर्माण के दौरान पहाड़ी की खुदाई होने से ढलान कमजोर हुई और लगातार बारिश के बाद भूस्खलन हुआ। उन्होंने निर्माण कार्य रोकने और भू-वैज्ञानिक जांच कराने की मांग की है। इसी स्थान पर जून 2025 में भी बड़ा भूस्खलन हुआ था। लगातार बारिश का असर शिमला जिले के रामपुर उपमंडल के दूरदराज क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। गानवी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से जगोरी, क्याओ और कूट पंचायतों का संपर्क प्रभावित हुआ है। लोगों को जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ रही है। कशापाट क्षेत्र की सड़क भी कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई है। प्रशासन के पहुंचने से पहले ग्रामीण स्वयं सड़क की मरम्मत में जुट गए हैं। प्रशासन ने दिन के समय स्कूल मार्ग से वैकल्पिक सड़क पर यातायात शुरू कर दिया है। उधर, कुल्लू जिले में पार्वती-2 पावर स्टेशन के पुलगा बांध का जलस्तर लगातार बढ़ने पर एनएचपीसी ने शनिवार शाम साढ़े छह बजे बांध से लगभग 50 क्यूमेक अतिरिक्त पानी पार्वती नदी में छोड़ने की सूचना दी है। इसके बाद नदी में कुल जल प्रवाह करीब 225 क्यूमेक रहने का अनुमान है।

न्यूज IN ब्रीफ

एनआई एक्ट (चेक अनादर) के मामलों के निष्पादन के लिए विशेष लोक अदालत 18 जुलाई को

बिनय मिश्रा : चाईबासा : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा के तत्वावधान में एन आई एक्ट (चेक अनादर) से संबंधित मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन आगामी 18 जुलाई 2026 को किया जा रहा है, प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने और जानकारी देते हुए बताया कि एन आई एक्ट (चेक बाउंस) से संबंधित मामलों के निष्पादन के लिए 2 जुलाई से निरंतर काउंसलिंग जारी है, यह विशेष लोक अदालत 18 जुलाई को सुबह 10:30 बजे से 4:00 बजे तक संचालित होगा, लोग अपने मामले को सूचीबद्ध करवा कर प्री सिटिंग में शामिल हो सकते हैं, इसमें पक्षकारों को मध्यस्थता के जरिए विवाद सुलझाने के लिए अवसर दिया जाएगा। उपरोक्त जानकारी प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने दी।

चलती ट्रेन से उतरते समय फिसला यात्री, आरपीएफ की सूझबूझ से बची जान

कोडरमा : कोडरमा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को आरपीएफ की तत्परता और साहस से एक बड़ा हादसा टल गया। गाड़ी संख्या 12382 डाउन के प्लेटफॉर्म संख्या तीन से खुलने के बाद एक व्यक्ति चलती ट्रेन से उतरने के दौरान फिसलकर ट्रेन के नीचे चला गया। हादसे में उसका दाहिना पैर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मुस्ताक खान (50 वर्ष), पिता सफायद खान, निवासी खेसकरी, थाना जयनगर, जिला कोडरमा के रूप में हुई। बताया गया कि वह अपनी बेटी और दामाद को ट्रेन में चढ़ाने स्टेशन आए थे। घटना होते ही ट्रेन मैनेजर ने तत्काल चेन पुलिंग (एसीपी) कर ट्रेन को रोक दिया। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह, आनंद कुमार सिंह, अशोक कुमार गुप्ता, महिला आरक्षी नीतू कुमारी तथा धनबाद से आए आरक्षी राजेश पासवान ने यात्रियों की मदद से घायल को सुरक्षित ट्रेन के नीचे से बाहर निकालकर प्लेटफॉर्म पर पहुंचाया। स्टेशन मास्टर ने एंबुलेंस की व्यवस्था कराई, लेकिन विलंब होने पर घायल के परिजन उसे टेंपो से सदर अस्पताल, कोडरमा इलाज के लिए ले गए। परिजनों ने समय पर सहायता के लिए आरपीएफ का आभार व्यक्त किया। घटना के कारण ट्रेन लगभग पांच मिनट विलंब से रवाना हुई।

बिहार ले जाए जा रहे 27 नाबालिगों का रेस्क्यू, मानव तस्करी की आशंका पर जांच तेज

मेदिनीनगर : पलामू पुलिस ने मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पड़वा और नावाबाजार थाना क्षेत्र से कुल 27 नाबालिगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। सभी नाबालिग लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं और उन्हें बिहार के सासाराम में धान रोपाई के कार्य के लिए ले जाया जा रहा था। गोपनीय सूचना पर शुक्रवार देर शाम की गई कार्रवाई में पड़वा थाना क्षेत्र से 14 और नावाबाजार थाना क्षेत्र से 13 नाबालिगों को बरामद किया गया। पुलिस ने बिहार के कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। रेस्क्यू के बाद नाबालिग लड़कियों को सखी वन स्टॉप सेंटर तथा लड़कों को बाल गृह भेजा गया है।

बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) ने मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच मानव तस्करी के सभी पहलुओं से कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी में जुटी है।

चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल में सुविधाओं का होगा विस्तार, कई विकास योजनाओं को मंजूरी

चक्रधरपुर : विधायक सुखराम उरांव की अध्यक्षता में अनुमंडल अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026झ27 के लिए अस्पताल के विकास एवं मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में अस्पताल भवनों के रंग-रोगन, जर्जर ग्रिल एवं दरवाजों के नवीनीकरण, वाहन पड़ाव (पार्किंग) की व्यवस्था, जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान, नए साइन बोर्ड लगाने तथा इमरजेंसी एग्जिट को बेहतर बनाने का निर्णय लिया गया।

इसके अलावा मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विश्राम गृह, दीदी कैफे, वेयरहाउस शेड, नए कपबोर्ड, मच्छरदानियों की व्यवस्था, लैब टेक्नीशियन की नियुक्ति, एंबुलेंस सेवा को सुदृढ़ करने, रेफरल हेल्प डेस्क स्थापित करने, रात्रि प्रहरियों की बहाली तथा अस्पताल में नियमित मरम्मत कार्य कराने पर भी सहमति बनी।

बैठक में कहा गया कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से अनुमंडल अस्पताल की आधारभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा और मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

चंपवा के चाकोमटोनांग एवं जराकेल गांव में सड़क को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

संवाददाता

बंदगांव : पश्चिम सिंहभूम जिला के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र बंदगांव प्रखंड के चंपावा पंचायत के चाकोमटोनांग एवं जराकेल गांव में सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ मुखिया कानू तैसुन की अध्यक्षता में बैठक किया.बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि यहां 2022 को तोमरोम से कोटिया तक 16 किलोमीटर सड़क निर्माण की स्वीकृति हुई थी.ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण कार्य भी शुरू किया था .मगर 2 दिन बाद ही वन विभाग सड़क निर्माण कार्य को बंद करा दिया है.जो कि आज तक चालू नहीं हो सका है.जिससे 20 गांव के ग्रामीणों को आने जाने में काफी दिक्कत हो रही है. जब कि यह महत्वपूर्ण सड़क गुदड़ी एवं बंदगांव प्रखंड को जोड़ती है.यह सड़क यहां के लोगों के कमाने खाने तथा रोजगार का मुख्य आधार है. जिसके निर्माण के लिये विधायक, सांसद एवं डीसी को भी कई बार आवेदन दिया गया है.मगर अब तक वन विभाग द्वारा एनओसी नहीं देने के कारण सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है.उन्होंने कहा अब 20 गांव के ग्रामीण वन विभाग के खिलाफ आर पार की लड़ाई लड़ेगी.उन्होंने कहा सड़क निर्माण करने के लिये जरूरत पड़ी तो एनएच 75 सड़क अनिश्चितकालीन के लिये जाम कर दिया जाएगा. उन्होंने कहा जाम के पहले मुख्यमंत्री आवास,डीसी कार्यालय, वन विभाग कार्यालय, आरईओ कार्यालय का घेराव की जाएगी. ग्रामीणों की समस्या सुनकर मुखिया कानू तैसुन ने कहा कि हम ग्रामीणों के साथ हैं और सड़क निर्माण के लिए मुख्यमंत्री आवास से लेकर डीसी कार्यालय, वन विभाग सभी का घेराव होगा. सड़क जाम भी की जाएगी .और यह जाम एक ऐतिहासिक जाम होगा .उन्होंने कहा सभी पदाधिकारी ग्रामीणों की समस्या को समझें और जल्द से जल्द वन विभाग एनओसी दे .जिससे यह सड़क बन सके .अन्यथा आदिवासी समाज उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा. उन्होंने कहा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक आदिवासी समुदाय से आते हैं. उन्हें हम लोगों का दर्द को समझना चाहिए .उन्होंने कहा सड़क की खराब स्थिति के कारण कोई बीमार पड़ने पर या कोई भी विकास कार्य के लिए गाड़ी गांव तक पहुंच नहीं पाती है .स्कूल के बच्चे तक स्कूल जा नहीं पाते हैं. सड़क विकास का एक अहम स्थान रखता है. इसलिए हमारे क्षेत्र के विकास के लिए सड़क का बनना काफी जरूरी है. उन्होंने कहा सड़क नहीं रहने के कारण कोई भी पदाधिकारी गांव तक पहुंचती नहीं है जिससे हमारा गांव का विकास रुका हुआ है. उन्होंने का अब वक्त आ गया है ग्रामीण जाग चुके हैं अब सड़क निर्माण के लिए ग्रामीण आर पार की लड़ाई लड़ेंगे.उन्होंने कहा कुंदरूगुटु से कोटागड़ा तक 15 किलोमीटर सड़क बनाया जाय.वहां भी सड़क के बिना ग्रामीणों को काफी दिक्कत होती है.वहीं पंसस फूलमनी मुंडरी ने कहा कि सड़क निर्माण के लिए जरूरत पड़ी तो सभी कार्य किए जाएंगे चाहे वह सड़क जाम हो, चाहे वह घेराव कार्यक्रम हो सभी में हम लोग मिलजुल कर कार्य करेंगे. उन्होंने वन विभाग को चेतावनी देते हुए कहा की वन विभाग स्पष्ट जान ले कि अब आदिवासियों का शोषण होने नहीं दी जाएगी. वह जल्द से जल्द में क्षेत्र का सर्वे कर एनओसी प्रदान करें. जिससे दो प्रखंड गुदड़ी और बंदगांव को जोड़ा जा सके. उन्होंने कहा सड़क नहीं रहने के कारण रोजगार लोगों को मिल नहीं पता है. लोग अपने सामान की खरीद बिक्री भी नहीं कर पाते हैं. क्षेत्र के विकास को या लोगों को रोजगार देने के लिए यह सड़क का बनना काफी जरूरी है. समाजसेवी संजय कंडिर ने कहा कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर विधायक जगत मांझी एवं सांसद जोबा मांझी को भी यहां के ग्रामीण लिखित आवेदन दे चुके हैं. मगर अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ. सड़क निर्माण यहां नहीं होना वन विभाग के उदासीनता के कारण ही है. वन विभाग जल्द से जल्द एनओसी दे दे नहीं तो यहां के ग्रामीण उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे. कांग्रेस के युवा प्रखंड अध्यक्ष रवि मुंदरी ने कहा कि चंपाबा पंचायत के 20 गांव के ग्रामीण अब जागृत हो चुके हैं .सड़क निर्माण उनकी मुख्य मुद्दा है. जिनकी मांग पूरी होनी चाहिए नहीं तो मजबूर होकर ग्रामीण सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होंगे .बैठक को 20 गांव के मानकी मुंडा ने भी संबोधित किया. इस अवसर पर मुख्य रूप से इस मौके पर जुनूल बोदरा, सोंजा चुटिया पूर्ति, बुधु बोदरा, लेंमप्सा बोदरा, अब्राहम बोदरा, स्माइल चुटिया पूर्ति, देबरा बोदरा ,सिंगराय पूर्ति समेत सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

बरसात से पूर्व नालों की सफाई का जायजा

रेलवे ने नगर परिषद को हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

संवाददाता

चक्रधरपुर : नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव की अध्यक्षता में शुक्रवार को शहर के विभिन्न वार्डों का समग्र निरीक्षण किया गया। इस दौरान मानसून को देखते हुए नालों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था तथा आवश्यक विकास कार्यों की स्थिति का विस्तृत जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक तरुण हुरिया एवं नगर परिषद उपाध्यक्ष विजय कुमार साव भी मौजूद रहे। मंडल रेल प्रबंधक ने नगर परिषद को आश्वस्त किया कि शहरहित से जुड़ी सभी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में रेलवे की ओर से पूर्ण सहयोग दिया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि नगरवासियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बरसात से पहले सभी नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करना नगर परिषद की प्राथमिकता है। रेलवे और नगर परिषद के आपसी समन्वय से विकास कार्यों में तेजी आएगी तथा शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नगर परिषद उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने कहा कि नगर परिषद और रेलवे के बीच बेहतर समन्वय से शहर के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जलजमाव की समस्या से स्थायी समाधान के लिए सभी संबंधित विभाग मिलकर कार्य करेंगे। मानसून के दौरान किसी भी क्षेत्र में जल निकासी बाधित न हो, इसके लिए आवश्यक कदम समय रहते उठाए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि नालों में कचरा न डालें और स्वच्छता बनाए रखने में नगर परिषद का सहयोग करें। मौके पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, आईओडब्ल्यू, कनिष्ठ अभियंता, नगर परिषद के वार्ड पार्षदगण तथा संबंधित विभाग के कनीय अभियंता उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और जल निकासी व्यवस्था को समय रहते दुरुस्त करने पर बल दिया।

क्लोरोफिल स्कूल में डेंटल हेल्थ कैंप, बच्चों ने सीखा स्वस्थ मुस्कान का मंत्र

मेट्रो रेज संवाददाता

झुमरी तिलैया (कोडरमा)। स्थानीय क्लोरोफिल स्कूल में शनिवार को विद्यार्थियों के दंत स्वास्थ्य को लेकर विशेष डेंटल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में प्ले ग्रुप, नर्सरी से लेकर कक्षा पांच तक के सभी छात्र-छात्राओं के दांतों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बारीकी से जांच की गई। इस दौरान बच्चों को दांतों की सही देखभाल, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. सागरमणि एवं डॉ. मोहित ने जांच के दौरान बच्चों को बताया कि स्वस्थ दांतों के लिए प्रतिदिन सुबह उठने के बाद और रात में सोने से पहले दो बार ब्रश करना बेहद जरूरी है। जिन बच्चों के दांतों में कैविटी अथवा अन्य समस्याएं पाई गईं, उनके लिए अलग से परामर्श पर्ची तैयार कर अभिभावकों को उपलब्ध कराई गई, ताकि समय रहते उचित उपचार कराया जा सके। विद्यालय की प्रार्थना सभा में शिक्षिकाओं ने भी बच्चों को समझाया कि अधिक टॉफी और मीठी चीजें खाने से दांतों में कीड़े लग सकते हैं। इस दौरान बच्चों की मासूम जिज्ञासाओं ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कुछ बच्चों ने मुस्कुराते हुए पूछा, ₹क्या दो बार ब्रश करना होता है? मैं तो एक बार ही करता हूं।₹ वहीं एक अन्य बच्चे ने सवाल किया, ₹अगर दो बार ब्रश कर लूं तो चॉकलेट खा सकता हूं न?₹ बच्चों के इन सवालों का चिकित्सकों ने सहज और रोचक ढंग से जवाब दिया, जिससे वे रात में भी नियमित ब्रश करने के लिए उत्साहित नजर आए। विद्यालय की प्राचार्य कंचन अग्रवाल ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बच्चों का अच्छा स्वास्थ्य भी विद्यालय की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित किए जाते हैं। शिविर के समापन पर बच्चों ने ब्लैकबोर्ड पर ₹थैंक यू डॉक्टर₹ लिखकर चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों का सराहनीय योगदान रहा। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के निदेशक अजय अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

1.35 लाख का पशु आहार और सरसों तेल लेकर चालक फरार, व्यापारी ने दर्ज कराई एफआईआर

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : शहर के कुण्ड मुहल्ला निवासी पशु आहार कारोबारी राजीव कुमार ने चालक पर करीब 1.35 लाख रुपये मूल्य का पशु आहार और सरसों तेल लेकर फरार होने का आरोप लगाया है। इस संबंध में शहर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई है। व्यापारी के अनुसार औरंगाबाद स्थित मनोज इंटरप्राइजेज के लिए पिकअप वाहन पर पशु आहार और सरसों तेल लोड कर चालक अनिल चौधरी को भेजा गया था। लेकिन सामान निर्धारित स्थान तक नहीं पहुंचा। पूछताछ करने पर पता चला कि चालक का मोबाइल भी बंद है और काफी खोजबीन के बाद भी उसका, वाहन और सामान का कोई पता नहीं चल सका। पीड़ित का आरोप है कि चालक ने विश्वासघात कर माल लेकर फरार हो गया, जिससे उन्हें 1,35,250 रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

ट्रेनों की पेंट्रीकार में चार साल बाद खाना बनना शुरू

जमशेदपुर : ट्रेनों की पेंट्रीकार में चार साल बाद यात्रियों के लिए खाना-नाश्ता बनने लगा है। गैस की किल्लत के कारण रेलवे ने यह निर्णय लिया है। अभी हीटर पर खाना-नाश्ता बनाया जाएगा। चार वर्ष पूर्व यात्री और ट्रेनों की सुरक्षा को लेकर पेंट्रीकार में खाना बनाने पर रोक लगा दी गई थी। इसके बाद ट्रेनों में बेस किचन से तैयार भोजन पैक कर स्टेशन से पेंट्रीकार में चढ़ाया जाने लगा। ट्रेनों में खाना चढ़ाने के लिए टाटानगर स्टेशन के आसपास आईआरसीटीसी की चार बेस किचन अभी सक्रिय है, जिनसे राजधानी, वंदे भारत, दुरंतो एवं अन्य दो ट्रेनों में खाना-नाश्ता चढ़ता है, लेकिन मार्च में गैस की किल्लत शुरू होने के बाद बेस किचन में एलपीजी की दिक्कत होने लगी।यात्रियों को ट्रेन में समय से खाना-नाश्ता मुहैया कराना जरूरी था। इससे पेंट्रीकार में हीटर पर खाना तैयार करने का आदेश हुआ। लेकिन पेंट्रीकार में इलेक्ट्रिक हीटर पर खाना बनने के बाद रेलवे व आईआरसीटीसी की जांच का दायरा बढ़ गया है।

हजारीबाग में पीएम सूर्य घर योजना के लिए केंद्र का उद्घाटन

अब हर महीने बिजली बिल होगा 'जीरो'

संवाददाता

हजारीबाग : प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना भारत सरकार की एक शानदार पहल है, जिसका लक्ष्य घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर देश के एक करोड़ घरों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान कराना है. इस योजना का अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिले, इसे देखते हुए हजारीबाग में केंद्र का उद्घाटन सांसद मनीष जायसवाल ने किया है.

लोगों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना योजना का मकसद

पीएम सूर्य घर योजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है. जिसका उद्देश्य घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर लोगों को मुफ्त में बिजली उपलब्ध कराना है. इसके साथ ही लाभुकों को आर्थिक लाभ प्रदान करना है. हजारीबाग में इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, इसे लेकर केंद्र का उद्घाटन सांसद मनीष जायसवाल ने किया है.

सोलर पैनल पर सरकार देती है सब्सिडी

इस योजना के तहत लाभुकों को सरकार सोलर पैनल की लागत का लगभग 40% तक सीधे बैंक खाते में सब्सिडी के रूप में देती है. जिसका लक्ष्य लोगों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करना है.

इस योजना के तहत, एक किलोवाट के सोलर सिस्टम पर 30,000, 2 किलोवाट पर 60,000 और 3 किलोवाट या

उससे अधिक क्षमता पर अधिकतम 78,000 तक की सब्सिडी मिलती है.

बिजली बेचकर कमा सकते हैं पैसे

सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि इस योजना के लाभ से लोग बिजली बिल देने के भार से मुक्त हो सकते हैं, साथ ही बिजली बनने पर उसे ग्रिड को बेचकर आर्थिक रूप से संपन्न भी हो सकते हैं. पावर कट समस्या का समाधान होगा. पीएम नरेंद्र मोदी ने बेहतर योजना देशवासियों को दी है.

कोई भी व्यक्ति ले सकता है योजना का लाभ

हजारीबाग के बंसीलाल चौक के पास इस केंद्र का उद्घाटन स्थानीय सांसद के साथ समाज के कई लोगों ने किया. केंद्र के प्रोपराइटर हेमंत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि कोई भी व्यक्ति इस योजना का लाभ ले सकता है. उसे एक आवेदन भरना होगा. जिसे ऑनलाइन किया जाएगा. एक प्रक्रिया के जरिए आवेदनकर्ता के घर में इंजीनियर पहुंचेंगे और सोलर पैनल लगाया जाएगा. इन्होंने बताया कि इस योजना के जरिए लोगों को भारी भरकम बिजली बिल देने से राहत मिलेगी. दरअसल, पीएम नरेंद्र मोदी की यह सोच ऊर्जा के क्षेत्र में देशवासियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पीएम सूर्य योजना मील का पत्थर साबित होगी. इस योजना के तहत मुफ्त में बिजली मिलेगी, साथ ही ग्रिड को बेचकर अतिरिक्त पैसा भी लाभुक कमा सकते हैं.